आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 112 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

इंदौर,
रविवार,
27 अप्रैल,
2025

अहमदाबाद में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पुलिस ने 400 से अधिक संदिग्ध आप्रवासियों को हिरासत में लिया।

केन्द्र सरकार ने चैनलों को दी सलाह

'सैन्य गतिविधियों का सीधा प्रसारण नहीं करे मीडिया'

एजेंसी ● नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को देश के मीडिया चैनलों से रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही का सीधा प्रसारण करने से बचने की सलाह दी है और कहा कि इस तरह की रिपोर्टिंग से जाने-अनजाने में दुश्मनों को मदद मिल सकती है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की तरफ से जारी सलाह में कहा गया है, 'राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे रक्षा और अन्य सुरक्षा-संबंधी अभियानों से संबंधित मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय अत्यधिक जिम्मेदारी बरतें और मौजूदा कानूनों और विनियमों का सख्ती से पालन करें।'

ऐसी रिपोर्टिंग से सुरक्षाबलों को खतरा

सलाह में कहा गया कि 'रक्षा अभियानों या सुरक्षा बलों की गतिविधियों से जुड़ी कोई भी कवरेज, दृश्य प्रसारण या 'स्रोतों' से प्राप्त जानकारी आधारित रिपोर्टिंग नहीं की जानी चाहिए।' संवेदनशील जानकारी का समय से पहले खुलासा दुश्मनों की मदद कर सकता है और इससे ऑपरेशनल प्रभावशीलता और सुरक्षा कर्मियों की जान को खतरा हो सकता है। मंत्रालय के सलाह में 1999 के कारगिल युद्ध, 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले और कंधार हाइजैकिंग जैसे घटनाओं का जिक्र किया गया, जब 'अविचारपूर्ण कवरेज के कारण राष्ट्रीय हितों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।'

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ बोले

पहलगाम अटैक की जांच में पाक शामिल होने को तैयार

एजेंसी ● इस्लामाबाद

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की तरफ से लिए गए फैसले और दबाव पड़ने की वजह से पाकिस्तान की हेकड़ी निकलती दिख रही है। पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले की 'तटस्थ और पारदर्शी' जांच में शामिल होने की पेशकश की है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खैबर-पख्तूनख्वा के काकुल में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में सेना के कैडेटों की पासिंग-आउट परेड को संबोधित करते हुए कहा, "पहलगाम में हुई हालिया त्रासदी, निरंतर दोषारोपण के खेल का एक और उदाहरण है, जिसे पूरी तरह से खत्म किया जाना चाहिए।*

उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार देश के रूप में अपनी भूमिका को जारी रखते हुए, पाकिस्तान किसी भी तटस्थ, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच में हिस्सा लेने के लिए तैयार है। इसके साथ ही उन्होंने धमकी भरे लहजे में कहा कि अगर भारत ने अपने हिस्से का पानी रोक दिया तो वे सभी विकल्प अपनाएंगे। पानी हमारी जीवन रेखा है और एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित है और इसकी उपलब्धता को हर कीमत पर और हर परिस्थिति में सुरक्षित रखा जाएगा। इससे पहले पाकिस्तान के नेता बिलावल भुट्टो ने सखर में सिंधु नदी के किनारे एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "मैं सिंधु दरिया के पास खड़े होकर साफ कहना चाहता हूं कि सिंधु नदी हमारी थी, है और हमारी ही रहेगी। या तो इस नदी से हमारा पानी बहेगा, या फिर उसका खून जो हमारी हिस्सेदारी छीनना चाहता है।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने स्थानीय 14 आतंकियों की सूची तैयार की

छह दहशतगर्दों के घर जमींदोज

एजेंसी ● नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद देशभर में गम और गुस्सा है। इस बीच, खुफिया एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में सक्रिय 14 स्थानीय आतंकवादियों की एक लिस्ट तैयार कर ली है। ये लोकल आतंकी, पाकिस्तानी दहशतगर्दों के मजबूत मददगार हैं। ना सिर्फ ये स्थानीय स्तर पर सपोर्ट और लॉजिस्टिक सहायता देते हैं, बल्कि आतंकियों को पनाह और संसाधन भी मुहैया कराते हैं।

कार्रवाई

सुरक्षा बलों ने तय कर लिया है कि अब इनका बारी-बारी से सफाया होगा। इन आतंकियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू हो चुकी है और इनके घरों को भी जल्द ही जमींदोज किया जाएगा। सबसे पहले ये लोकल आतंकी ढेर होंगे। इसके साथ ही इनके घरों पर भी बड़ा प्रहार होगा। शनिवार कोसुरक्षाबलों ने अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम के बाद अब कुपवाड़ा में एक अन्य आतंकी का घर बम से उड़ा दिया गया है।

अब तक छह दहशतगर्दों के घर मलबे में बदले जा चुके हैं। इस बार लश्कर ए तैयबा के आतंकीफारूक तीदवा, लश्कर कमांडर शाहिद अहमद कुट्टे, आतंकी जाकिर गनी और जैश ए मोहम्मद के आतंकी एहसान उल हक का घर तबाह किया गया है। इससे पहले दो और आतंकियों के घर को सुरक्षाबलों ने तबाह किया था।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के मतलहामा इलाके में विस्फोट के बाद पहलगाम आतंकी हमले के आरोपी जाकिर अहमद गनी का नष्ट हुआ घर।

जम्मू कश्मीर में ऑपरेशन क्लीन-अप

सुरक्षा एजेंसियों ने साफ कर दिया है कि कोई भी आतंकी बच नहीं पाएगा। या तो आतंकियों को ढेर किया जाएगा या फिर उनके ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। एक के बाद एक इन 14 लोकल आतंकियों पर कार्रवाई का चक्र तेजी से घूम रहा है।

अनंतनाग में 175 संदिग्ध हिरासत में

सुरक्षाबलों ने अनंतनाग जिले में आतंकवादी गतिविधियों में सहायता करने वाले नेटवर्क को खत्म करने पूछताछ के लिए करीब 175 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि पूरे जिले में व्यापक घेराबंदी और तलाशी अभियान चला रही हैं।

निशाने पर 14 लोकल आतंकी

आदिल रहमान देंतू लश्कर-ए-तैयबा का सोपोर का कमांडर है। 2021 से आतंकी गतिविधियों में एक्टिव है। आसिफ अहमद शेख जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी है और अवंतीपुरा का जिला कमांडर है। लश्कर का एहसान अहमद शेख पुलवामा में एक्टिव है। हरीश नजीर पुलवामा का लश्कर-ए-तैयबा में एक्टिव आतंकी है। आमिर नाजिर वानी भी पुलवामा में एक्टिव टेररिस्ट है। जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा हुआ है। यावर अहमद भट्ट जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी है।

आसिफ अहमद कंडे शोपियां का आतंकवादी है। हिजबुल मुजाहिद्दीन से जुड़ा है। नसीर अहमद वानी शोपियां में लश्कर-ए-तैयबा का एक्टिव टेररिस्ट है। शाहिद अहमद कुटे शोपियां में लश्कर और TRF का बड़ा आतंकी है। आमिर अहमद डार लोकल आतंकवादी है। शोपियां में । लश्कर-ए-तैयबा और TRF के साथ मिलकर काम कर रहा है। अदनान सफी डार शोपियां जिले में लश्कर-ए-तैयबा और TRF के साथ एक्टिव है। जुबेर अहमद वानी हिजबुल मुजाहिद्दीन का अनंतनाग का ऑपरेशनल कमांडर होकर 2018 से A+ का एक्टिव आतंकी है। हारून रशीद गनी अनंतनाग में हिजबुल का एक्टिव आतंकी है। जुबेर अहमद गनी कुलगाम का बड़ा आतंकी है। द रेजिस्टेंट फ्रंट से भी जुड़ा है।

हमले की जिम्मेदारी लेने वाले TRF ने मारी पलटी

एजेंसी ● नई दिल्ली

प्रतिबंधित पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का सहयोगी ग्रुप द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में किसी भी तरह की भूमिका से इनकार किया है, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। इस सप्ताह की शुरुआत में ही आतंकवादी संगठन ने अनंतनाग जिले के बैसरन मैदान में हुए इस भयानक हमले की जिम्मेदारी ली थी।

आतंकी संगठन ने एक बयान में कहा कि टीआरएफ पहलगाम की घटना में किसी भी तरह की संलिप्तता से साफ तौर पर इनकार करता है। इस कृत्य के लिए टीआरएफ को जिम्मेदार ठहराना गलत और जल्दबाजी में किया गया कदम है। टीआरएफ ने दावा किया कि पहलगाम हमले के तुरंत बाद, उनके एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से एक अनधिकृत संदेश पोस्ट किया गया जिसमें जिम्मेदारी ली गई। ये कश्मीरी प्रतिरोध को बदनाम करने के लिए एक सुनियोजित अभियान का हिस्सा है।

आंतरिक ऑडिट के बाद, हमारे पास यह मानने का कारण है कि यह एक समन्वित साइबर घुसपैठ का परिणाम था। हम उल्लंघन का पता लगाने के लिए पूरी जांच कर रहे हैं, और शुरुआती संकेतों से पता चलता है कि इसमें भारतीय साइबर-खुफिया एजेंटों के हाथ होने के संकेत हैं।

प्रदेश की 7502 खदानों की हुई जियो टेगिंग

ऑर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस से होगी अवैध खनन की निगरानी : सीएम

प्रदेश में अवैध परिवहन की रोकथाम के लिये एआई पर आधारित मानव-रहित 41 चेक-गेट होंगे स्थापित

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर अवैध खनन भंडारण एवं परिवहन की रोकथाम के लिये ऑर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस (एआई)का उपयोग कर खनन निगरानी प्रणाली विकसित की जा रही है। इस प्रणाली के अंतर्गत प्रदेश की समस्त स्वीकृत 7502 खदानों की जियो टेगिंग कर खदान क्षेत्र का सीमांकन किया जा चुका है। सैटेलाइट इमेज एवं रिमोट सेंसिंग टेक्नोलॉजी की सहायता से प्रदेश में हो रहे अवैध उत्खनन एवं भंडारण पर निगरानी रखी जायेगी।

निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रणाली खदान क्षेत्र के बाहर हो रहे अवैध उत्खनन का पता लगाने में सक्षम होगी। इसके अंतर्गत एक निश्चित समय अंतराल पर सतत रूप से प्राप्त सेटेलाइट इमेजेस का विश्लेषण कर सिस्टम द्वारा राज्य एवं जिला प्रशासन को अलर्ट भेजे जायेंगे। क्षेत्रीय अमले द्वारा मोबाइल ऐप से परीक्षण एवं निरीक्षण कर पोर्टल अथवा मोबाइल ऐप पर रिपोर्ट दर्ज कर प्रकरण पंजीबद्ध किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

कहा कि आवश्यकता पड़ने पर खदान या उसके बाहर ड्रोन सर्वे कर वॉल्युमेट्रिक एनालिसिस से वास्तविक उत्खनित मात्रा का पता लगाकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई कर अर्थदण्ड अधिरोपित करने की परियोजना भी प्रक्रियाधीन है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खनिजों के अवैध परिवहन की रोकथाम के लिये नवीन तकनीक एआई पर आधारित मानव-रहित चेक-गेट पूरे प्रदेश में स्थापित किये जा रहे हैं। प्रदेश में 41 ऐसे स्थल चिन्हांकित किये गये हैं, जहाँ से खनिज परिवहन करने वाले वाहनों का सर्वाधिक आगमन होता है। चेक-गेट स्थापित करने के लिये टेण्डर के माध्यम से रेल टेल कॉर्पोरेशन को सर्विस प्रोवाइडर के रूप में चयनित किया गया है। उन्होंने कहा कि पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में भोपाल के आस-पास 4 स्थानों पर ई-चेकगेट स्थापित किये गये हैं। निगरानी के लिये राज्य स्तर पर भोपाल में कमाण्ड एवं कंट्रोल सेंटर और जिला स्तर पर भोपाल एवं रायसेन में जिला स्तरीय कमाण्ड सेंटर स्थापित किया गया है। ई-चेकगेट में वेरीफोकल कैमरा, आर.एफ.आई.डी. रीडर, ऑटोमेटिक नम्बर प्लेट रीडर की सहायता से खनिज परिवहन में संलग्न वाहन की जाँच के प्रावधान हैं।

प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्गत विभाग की गतिविधियों को ऑनलाइन करने के लिये एनआईसी द्वारा वेब पोर्टल (ई-खनिज) बनाया गया है। ई-खनिज पोर्टल को परिवहन विभाग के पोर्टल साथ लिंक किया गया है। इससे पट्टेदार/ट्रांसपोर्टर खनिज परिवहन करने के लिये ऑनलाइन वाहनों का रजिस्ट्रेशन ई-खनिज पोर्टल पर कर सकते हैं। डिजिटल इण्डिया अंतर्गत विभाग द्वारा ई-खनिज पोर्टल से खनिजों के परिवहन के लिये ऑनलाइन परिवहन पारपत्र (e-TP) की सेवाओं को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। इस व्यवस्था के अंतर्गत कोई भी पट्टेदार रॉयल्टी एवं अन्य राशि का भुगतान करने के बाद ई-टीपी प्राप्त कर सकता है। खनिजों के परिवहन में संलग्न वाहनों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश के 55 जिलों में ई-खनिज पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ई-टीपी सेवाओं को लागू किया जा चुका है। इस व्यवस्था के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। साथ ही अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की जानकारी एमआईएस रिपोर्ट के रूप में प्राप्त की जा रही है। ई-टीपी की व्यवस्था लागू होने से पट्टेदार द्वारा ऑनलाइन रॉयल्टी का भुगतान किया जा रहा है। इससे केशलैस ट्रॉन्जेक्शन की मंशा भी पूरी की गयी है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिये खनिज परिवहन किये जाने वाले वाहनों का ई-रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है।

नवीन पोर्टल ई-खनिज 2.0 सुशासन से एवं ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत विभिन्न प्रक्रियाओं को सरलीकृत किया जा रहा है। नवीन पोर्टल ई-खनिज 2.0 को सिंगल विण्डों से विभाग से संबंधित विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिये विभाग द्वारा विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने तथा इसके निराकरण के लिये ऑनलाइन व्यवस्था प्रदाय की जायेगी। विभिन्न सेवाओं को मोबाइल ऐप से आमजन तक तथा पट्टेदारों को मोबाइल पर उपलब्ध कराया जा सकेगा। पट्टेदारों एवं नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिये ऑनलाइन प्लेटफार्म भी उपलब्ध कराया जायेगा।

बिजली नगर स्थित बिजलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ के समापन पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

हम संस्कारित परिवार, सभ्य समाज और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में सहभागी बनें, यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए : दीनबंधुदास

संवाददाता ● इंदौर

वृंदावन के महामंडलेश्वर स्वामी दीनबंधुदास महाराज के, जो उन्होंने शनिवार को बंगाली चौराहा के पास बिजली नगर स्थित बिजलेश्वर महादेव मंदिर परिसर पर चल रहे संगीतमय भागवत ज्ञानयज्ञ में कृष्ण-सुदामा मैत्री प्रसंग और भागवत पूजन के दौरन व्यक्त किए। समापन अवसर पर तीन हजार से अधिक भक्तों ने कतारबद्ध होकर भगवतजी का पूजन किया। कथा शुभारंभ के पूर्व संयोजक अजयसिंह सिकरवार, विशालसिंह सिकरवार, बबली ठाकुर, निरंजनसिंह चौहान, राजेश चौहान, आर्यनसिंह सिकरवार, रमेश यादव, गिरीश पंवार, मनोज यादव, संजू यादव आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया।

विद्वान वक्ता की अगवानी बिजलेश्वर महादेव भक्त मंडल की ओर से विशाल ठाकुर, राजेश सचान, अनिश पांडे, राहुल सिंह आदि ने की। कथा समापन पर महामंडलेश्वर स्वामी दीनबंधुदास महाराज ने बिजली नगर में भक्तों के आग्रह पर भ्रमण भी किया। घर-घर से पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया। अंत में संयोजक विशालसिंह सिकरवार, अजयसिंह सिकरवार, बबली ठाकुर एवं विशाल ठाकुर ने आयोजन समिति की ओर से उनका अभिनंदन किया। कथा समापन पर पांच हजार से अधिक भक्तों ने भंडारे में प्रसादी का पुण्य लाभ उठाया। महामंडलेश्वरजी ने कहा कि मन में यदि कोई शुभ संकल्प आए तो उसे मूर्त रूप देने में देरी नहीं करना चाहिए, क्योकि हमारा शरीर और इंद्रियां तमोगुणी हैं, जो शुभ और सकारात्मक विचारों को बहुत जल्द पलट देती है।

भगवान से जुड़ा काम हो तो ज्यादा सोचने-विचारने की जरूरत नहीं है। यह याद रखें कि भगवान ही हमें सदकर्मों के लिए प्रेरणा और शक्ति प्रदान करते हैं। भागवत विश्व का ऐसा अनूठा ग्रंथ है, जिसे जितनी बार पढ़ा और सुना जाए, उतनी बार नूतन अनुभूति होती है। हम एक ही फिल्म को और एक ही किताब या पत्र-पत्रिका को दो-तीन बार से ज्यादा नहीं देख-पढ़ सकते, लेकिन भागवत ऐसी कथा है, जिसे सैकड़ों बार सुनने और पढ़ने के बाद भी हमारी प्यास निरंतर बढ़ती चली जाती है। यह प्रमाण है कि भागवत की रचना स्वयं भगवान कृष्ण ने अपनी वाणी से की है और उनकी वाणी का माधुर्य आज पांच हजार वर्षों बाद भी कलियुग होते हुए भी हम सबको आल्हादित बनाए हुए है।

सैलाब

भगवान की सभी लीलाएं जीव मात्र के लिए कल्याणकारी और शिक्षाप्रद होती हैं। भागवत के पांचवें स्कंध में भी इस बात का उल्लेख है कि भगवान जो अवतार लेते हैं, वह किसी ऐसे प्रयोजन से लेते हैं, जो मानव मात्र के लिए शिक्षाप्रद और प्रेरक हो। हम अपने जीवन में मनुष्य जन्म लेने के बाद विनम्र, सदाचारी और सत्य निष्ठ बनकर एक संस्कारित परिवार, सभ्य समाज और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में सहभागी बन सकें, यही हमारे धर्मग्रंथों का मुख्य उद्देश्य है। कृष्ण-सुदामा की मित्रता इसलिए भी पूरे विश्व में मानी जाती है कि यह राजा और प्रजा, राजमहल और झोपड़ी तथा अमीर और गरीब के मिलन की कथा है। राजा और प्रजा के बीच जिस दिन कृष्ण-सुदामा जैसा प्रेम हो जाएगा, प्रजातंत्र भी सार्थक हो उठेगा।

ये दिव्य विचार हैं मलूक पीठाधीश्वर जगदगुरू द्वाराचार्य स्वामी राजेन्द्रदास देवाचार्य के परम शिष्य,

शॉट न्यूज

आतंकी हमले के विरोध में कांग्रेस का बंद रहा बेअसर

इंदौर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का विरोध जारी है। शहर में कांग्रेस ने शनिवार को बंद का आव्हान किया था, लेकिन ज्यादातर प्रतिष्ठान खुले रहे। व्यापारियों का कहना है कि हम आतंकी हमले की घटना से दुखी हैं, लेकिन कांग्रेसी हिंदू विरोधी हैं। इसलिए पूरे क्षेत्र की दुकानें खुली रखी गई हैं। बता दें कांग्रेस कमेटी ने सभी व्यापारिक संगठनों से 26 अप्रैल को दोपहर 2 बजे तक आधे दिन का स्वैच्छिक इंदौर बंद रखने की अपील की थी। इंदौर में आधे दिन के बंद के दौरान इमरजेंसी सेवा यानी, थोक दवा बाजार और मेडिकल स्टोर्स खुले रहें। बंद का मिला-जुला असर देखने को मिला कई जगह बाजार बंद भी रहे । वहीं, एमआईजी क्षेत्र में सभी दुकानें खुली हुई हैं। तिलक नगर में अधिकांश दुकानें खुली देखी गयी।

बेटे की शादी के नाम पर लिए 1.80 लाख और दुल्हन लेकर भाग

इंदौर। गांधीनगर पुलिस ने महिला की शिकायत पर रिश्तेदारों पर अमानत में खयानत का केस दर्ज किया है। महिला का आरोप है कि बेटे की शादी के नाम पर 1 लाख 80 हजार रुपये लिए और दुल्हन लेकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार विस्तारा कांकड़ निवासी संगीता परमार ने आरोपित इंदर परमार निवासी तराना उज्जैन, रवि साहू निवासी दिग्विजय मल्टी और अंबिका नरगावे निवासी गालाबारा बड़वानी पर केस दर्ज किया है। संगीता ने पुलिस को बताया कि बेटे महेंद्र की शादी इंदर परमार के माध्यम से हुई थी। आरोपित ने उज्जैन की लड़की से रिश्ता तय करवाया था। उसने 1 लाख 80 हजार रुपये देने की बात की थी। आरोपितों ने रुपये लेकर गोम्मटगिरी में शादी भी कर दी। दुल्हन के रिश्तेदार रवि और राजू परिवार की महिलाओं को लेकर आए और खजराना गणेश मंदिर के दर्शन के लिए ले गए।

केंद्रीय उपसचिव स्वाति नायक ने बालिकाओं से की चर्चा

इंदौर। कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास राजेंद्र नगर में शनिवार सुबह नई दिल्ली से आईं केंद्रीय उपसचिव शिक्षा मंत्रालय नई दिल्ली स्वाति नायक एवं सुधा मीणा ने छात्रावास का निरीक्षण किया एवं छात्राओं से शैक्षणिक गतिविधियों एवं भोजन व्यवस्था के संबंध में बातचीत की। केन्द्रीय दल ने छात्राओं से बातचीत के दौरान कहा कि वे अच्छी पढ़ाई कर के आगे अपना बेहतर कैरियर बनाएं एवं विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन करें। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कस्तूरबा गांधी छात्रावास राजेंद्र नगर में छात्राओं को मिल रही शैक्षणिक, भोजन एवं रहवास संबंधी सभी सुविधाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया।निरीक्षण के दौरान जिला परियोजना समन्वयक संजय मिश्रा, एपीसी एकेडमी विवेक शर्मा, एपीसी जेंडर हेमलता यादव मौजूद रहीं।छात्राओं द्वारा अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्वनिर्मित ग्रीटिंग कार्ड देकर किया।

मेपकास्ट द्वारा नवप्रवर्तन को प्रोत्साहन देने हेतु विश्व बौद्धिक संपदा दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता ● भोपाल

आयोजन

शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में बौद्धिक संपदा अधिकार और इसकी उपयोगिता के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा सरोजिनी नायडू कन्या महाविद्यालय, शासकीय कमला नेहरू कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल , ओ रियंट स्कूल एवं द आइकॉनिक स्कूल में 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ अजय चौबे, श्री शैलेन्द्र कसेरा ने बौद्धिक संपदा के विविध पहलुओं जैसे कॉपीराइट, पेटेंट और ट्रेडमार्क की गहन जानकारी दी। उन्होंने रोचक उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया कि कैसे विद्यार्थी अपने नवाचार और मौलिक रचनाओं के ज़रिए पेटेंट प्राप्त कर सकते हैं और इससे आर्थिक लाभ भी अर्जित कर सकते हैं। इसके साथ ही अपने संबोधन में नवाचार, अनुसंधान और बौद्धिक संपदा संरक्षण के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे अपनी कल्पनाशक्ति और सृजनशीलता को संरक्षित कर देश के विकास में योगदान दें। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने बौद्धिक संपदा के महत्व को समझते हुए नवाचार करने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में सभी विद्यालय की प्राचार्य सहित सभी शिक्षकों ने परिषद के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर परिषद के महानिदेशक डॉ अनिल कोठारी ने नवाचार को बौद्धिक संपदा के रूप में पंजीयन कराने और उसके कमर्शियलाइज़ेशन पर जोर दिया है ।

एक्सिस बैंक के वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही और वार्षिक परिणाम

मुंबई। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने आज अपने वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही और वार्षिक परिणामों की घोषणा की, जिसमें 26,373 करोड़ रुपये का वार्षिक शुद्ध लाभ दर्ज किया गया, जो वित्त वर्ष 24 में 24,861 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में पिछले वर्ष की तुलना में 6% अधिक है। बैंक की शुद्ध ब्याज आय (NII) 6% बढ़कर 13,811 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के लिए शुद्ध ब्याज मार्जिन (NIM) 3.97% रहा और तिमाही दर तिमाही 4 बीपीएस बढ़ा। CASA में तिमाही दर तिमाही के आधार पर 10% की वृद्धि हुई और CASA अनुपात 38% QAB पर रहा। 31 मार्च 2025 तक, बैंक के रिपोर्ट किए गए सकल एनपीए और शुद्ध एनपीए का स्तर क्रमशः 1.28% और 0.33% था, जबकि 31 मार्च 2024 को यह 1.43% और 0.31% था। बैंक की शुल्क आय वित्त वर्ष 25 में 12% साल दर साल और 16% तिमाही दर तिमाही बढ़कर 6,338 रुपये हो गई। खुदरा शुल्क में 14% साल दर साल और 22% तिमाही दर तिमाही की वृद्धि हुई; और बैंक की कुल शुल्क आय का 75% हिस्सा रहा। बैंक का समग्र पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR) 14.67% के CET 1 अनुपात के साथ 17.07% रहा। बैंक की घरेलू सहायक कंपनियों ने स्थिर प्रदर्शन किया, और वित्त वर्ष 2025 में उनका शुद्ध लाभ 1,768 करोड़ रुपये रहा, जो साल-दर-साल 11% की वृद्धि है। तिमाही के दौरान बैंक ने 170 शाखाएँ जोड़ीं, जिससे इसका समग्र वितरण नेटवर्क 31 मार्च 2025 तक 5,876 घरेलू शाखाओं और विस्तार काउंटरों तक पहुँच गया, साथ ही 3,194 केंद्रों में 234 बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट बैंकिंग आउटलेट (बीसीबीओ) भी स्थापित हो गए। इस तिमाही में बैंक ने कई उद्योग-प्रथम पहल की। एक्सिस बैंक GIFT सिटी IFSC में अपनी अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग इकाई (IBU) के माध्यम से विमान वित्तपोषण लेनदेन को अंजाम देने वाला पहला भारतीय बैंक था।

देवसुर तपागच्छ समाचारी पत्रिका का हुआ विमोचन

संवाददाता ● इंदौर

रेसकोर्स रोड स्थित बास्केट बाल काम्प्लेक्स पर समग्र जैन श्वेताम्बर तपागच्छ श्रीसंघ की मेजबानी में प.पू. डॉ. मुक्तिसागर म.सा. के सानिध्य में आयोजित मालवांचल के 40 से अधिक श्रीसंघों और शहर के तपागच्छ समाज के प्रतिनिधियों के प्रथम महाधिवेशन में 'जीतो' के उपाध्यक्ष कमलेश सोजतिया ने देवसुर तपागच्छ समाचारी पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर नागेश्वर तीर्थ के सचिव धरमचंद जैन एवं इंदौर के महेन्द्र गुरूजी को तपागच्छ रत्न से अलंकृत किया गया। अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बांगानी, कार्याध्यक्ष पुण्यपाल सुराना, महासचिव यशवंत जैन एवं संयोजक कैलाश नाहर ने बताया कि इंदौर में पहली बार हुए इस महाधिवेशन में संयोजक मंडल के प्रीतेश ओस्तवाल, शेखर गेलड़ा, सौमिल कोठारी एवं पुंडरिक पालरेचा ने महाधिवेशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। प्रवीण गुरूजी, प्रकाश भटेवरा, विजय मेहता, दिलसुखराज कटारिया, मनीष सुराना, भागवत नागौरी आदि ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और संकल्प व्यक्त किया कि तपागच्छ समाज को संगठित करने और प.पू. डॉ. मुक्तिसागर की भावनाओं के अनुरूप आगे बढ़ाने में सभी श्रीसंघ हमेशा तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर देवसुर तपागच्छ समाचारी पत्रिका का समाजबंधुओं को निशुल्क वितरण भी किया गया। संचालन शेखर गेलड़ा ने किया और आभार माना पुंडरिक पालरेचा ने। मुख्य अतिथि सोजतिया ने हर संभव सहयोग का संकल्प व्यक्त किया।

राम-कृष्ण के बिना सनातन संस्कृति की कल्पना भी संभव नहीं : साध्वी कृष्णानंद

संवाददाता ● इंदौर

भारत जैसी विलक्षण, धर्म और संस्कृति से समृद्ध भूमि दुनिया में कहीं और नहीं है। दुनिया के किसी भी देश में इतने त्योहार और अवतार नहीं हुए हैं, जितने भारत भूमि पर होते हैं। पश्चिम की संस्कृति डूबते हुए सूरज की है। सूर्योदय की पहली किरण भारत भूमि पर पड़ती है। राम और कृष्ण इस पावन धरा के प्राण तत्व हैं, जिनके बिना हमारी परंपराएं, संस्कार और संस्कृति भी अधूरे हैं। राम-कृष्ण के बिना भारत भूमि और सनातन संस्कृति की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

ये प्रेरक विचार हैं वृंदावन-हरिद्वार की साध्वी कृष्णानंद के, जो उन्होंने मनोरमागंज स्थित गीता भवन सत्संग सभागृह में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज के सानिध्य में चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ में कृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग के दौरान व्यक्त किए। कथा में कृष्ण जन्मोत्सव का जीवंत उत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। जैसे ही भगवान को सुसज्जित टोकनी में वसुदेव और देवकी सभागृह में लेकर आए, समूचा कथा स्थल भगवान के जयघोष से गूंज उठा। समाजसेवी प्रेमचंद गोयल के आतिथ्य में बधाई गीत के बीच नाचते-गाते भक्तों ने पुष्प वर्षा कर अपनी खुशियां व्यक्त की। कथा शुभारंभ के पूर्व उड़ीसा से आए समाजसेवी दीपक शिवहरे, जयपुर से आए आर.सी. गुप्ता, शिक्षाविद सविता राय आदि ने कमलेश शिवहरे, गौरव शिवहरे, श्याम मोमबत्ती, प्रमोद बिंदल एवं अर्पित शिवहरे के साथ व्यासपीठ का पूजन किया। संयोजक कमलेश शिवहरे ने बताया कि गीता भवन में भागवत ज्ञान यज्ञ का यह दिव्य अनुष्ठान 29 अप्रैल तक प्रतिदिन सायं 4 से 7 बजे तक जारी रहेगा। रविवार , 27 अप्रैल को गोवर्धन पूजा एवं नंदोत्सव प्रसंग मनाया जाएगा।

साध्वी कृष्णानंद ने कहा कि आज समाज में अनेक तरह की विकृतियां पनप रही हैं। हमारे परिवार बिखर रहे हैं। बच्चों को भी बुजुर्गों के पास बैठने और उनसे कुछ सीखने की चाहत कम होती जा रही है। और भी अनेक ऐसी विसंगतियां हैं, जिन्हें दूर किए बिना हम एक संस्कारित परिवार की स्थापना नहीं कर पाएंगे। भागवत और हमारे अन्य सभी धर्मग्रंथ एक संगठित समाज का संदेश देते हैं।

रवींद्र भवन में बैंड यूफनी व यूफोरिया की लाइव प्रस्तुति 26 को

भोपाल। इंडीमून्स आर्ट्स फेस्टिवल एक बार फिर अपने म्यूजिक एडिशन के साथ भोपाल में गूंजने को तैयार है। यह आयोजन 26 और 27 अप्रैल को रवींद्र भवन के हंसध्वनि सभागार में होगा। कार्यक्रम में भारतीय पॉप-रॉक संगीत का उत्सव होगा। इसमें उभरते कलाकारों से लेकर प्रसिद्ध बैंड्स यूफनी और बैंड यूफोरिया लाइव परफॉर्मिस देंगे। यूफनी एक उभरता अर्बन रॉक बैंड है। जिसकी अगुवाई सनीश नायर कर रहे हैं। वहीं, डॉ. पालाश सेन के नेतृत्व वाला यूफोरिया बैंड महफूज दिल से, दूधिया रंग जैसे हिट गीतों से पॉप-रॉक संगीत की पहचान बना चुका है। इस मौके पर बैटल ऑफ द बेड्स प्रतियोगिता भी होगी। इसमें मप्र के विभित्र कॉलेजों और शहरों से आए युद्ध बैंड्स भाग लेंगे। विजेताओं को नकद पुरस्कारों के साथ भविष्य में प्रदर्शन के सुनहरे अवसर भी मिलेंगे। इंडीमून्स फेस्टिवल का उद्देश्य उभरते कलाकारों को मंच देना, संगीत प्रेमियों को एकत्रित करना और भोपाल को एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। पिछले संस्करण में शरमन जोशी, पंकज कपूर, नितीश भारद्वाज और मकरंद देशपांडे जैसे दिग्गजों की प्रस्तुतियां देखने को मिली थीं। शाम 5 बजे से ओपन स्टेज पर बैंड बैटल्स और मुख्य प्रस्तुतियां रात बजे से शुरू होगी।

30 अप्रैल - अक्षय तृतीया पर विशेष

बाल विवाह - किरणों का दुपहरी में अस्त हो जाना

प्रलय श्रीवास्तव

बाल-विवाह यानि छोटी उम्र में बच्चों की शादी। बड़ों की रजामंदी और संरक्षण में होने वाला ऐसा अपराध जो समारोहपूर्वक होता है। जिसमें भागीदार होते हैं माता- पिता, अभिभावक, रिश्तेदार, पड़ौसी, रस्मों को निभाने वाले कर्ता-धर्ता और वे सभी जो खुद ज्ञाता व विद्वान होने का दावा करते हैं। यह ऐसी कुरीति है जो समाज के माथे पर आज भी कलंक बनी हुई है। कच्ची उम्र में बच्चों को बड़ा होने का अहसास कराना आज भी बदस्तूर जारी है।

आखिर बाल-विवाह होते क्यों हैं, इस बात पर भी गौर किया जाना जरूरी है। चूँकि बच्चे शत-प्रतिशत सच्चे होते हैं, उनका मन भोला होता है। नये कपड़े, मिठाई, उपहार, बैण्ड-बाजा का लालच देकर उन्हें विवाह के मण्डप में बैठा दिया जाता है। अनेक ऐसे क्षेत्र या स्थान भी हैं जहाँ परम्परा, रीति-रिवाजों के नाम पर बच्चों को कम उम्र में ही ब्याह दिया जाता है। फिर क्या, इस प्रक्रिया का सीधा-साधा असर बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ता है। तेजी से बढ़ता लिंगानुपात, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में खून की कमी, मातृ-शिशु मृत्यु दर आदि ऐसे कारण हैं, जिनका सीधा संबंध बाल विवाहों से है। बच्चों को उम्र से पहले ही उन बंधनों और जिम्मेदारियों मे लाद दिया जाता है, जिसके लिए वे शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार ही नहीं होते। बाल-विवाह बच्चों को उनके बचपन से भी वंचित कर देता है। समाज ने 18 साल से कम आयु की बालिका की शादी नहीं करने की कानूनी जानकारी तो प्राप्त कर ली, लेकिन उसने यह भी सीख लिया कि होने वाले बाल-विवाह को सरकार की नजर से कैसे छुपाया जाए। ऐसे में अहम जिम्मेदारी उनकी होती है, जिनकी जानकारी में बाल- विवाह होना अथवा उसके होने की संभावना होती है।

इतिहास – वैदिक काल तक विवाह से पूर्व वर व वधु के शारीरिक स्वास्थ पर विशेष ध्यान दिया जाता था। इस काल में विवाह पूर्ण प्रौढ़ावस्था में होता था। स्त्रियों को वैदिक काल तक ही पुरुषों की तरह के सारे अधिकार थे। वैदिक काल के बाद विवाह प्रथा अल्प वय बिवाह में बदलती चली गई। स्मृति चन्द्रिका, संस्कार कांड कहता है कि यदि योग्यपति प्राप्त नहीं होता है तो कन्या का विवाह तरुण आयु प्राप्त होने से पहले ही अयोग्य वर से कर देना चाहिये। 'प्राचीन भारत मं स्त्रियों की दशा' नामक पुस्तक में अल्तेका लिखते हैं कि कन्याओं को हमलावरों से बचाने के लिये भी विवाह एक प्रतिरक्षात्मक उपाय था। वर्ण और जाति के कारण भी बाल-विवाह को प्रोत्साहन मिला। कम उम्र में कन्याओं का विवाह कर लोग उसके भविष्य की चिंता से बचने की कोशिश करते थे।

भुगतते हैं माँ, बच्चे – कम उम्र में शादी होने से न सिर्फ सुरक्षा के अधिकार का उल्लंघन होता है वरन्अच्छे स्वास्थ्य, पोषण व शिक्षा पाने के अधिकार का भी हनन होता है। इसके अलावा बाल-विवाह के कारण बालिकाएँ कम उम्र में असुरक्षित यौन चक्र में सम्मिलित हो जाती हैं। अपरिपक्व शरीर में बालिका द्वारा गर्भ धारण करने से भ्रूण पूर्ण रूप से विकसित्त नहीं हो पाता। गर्भपात, कम वजन के बच्चे का जन्म, बच्चों और माता में कुपोषण, खून की कमी, मातृ मृत्यु, प्रजनन मार्ग संक्रमण यौन संचरित बीमारियाँ/एचआईवी संक्रमण की संभावना में वृद्धि होना आदि भी बाल-विवाह के दुष्परिणाम हैं। अध्ययनों से सिद्ध हो चुका है कि 15 वर्ष की उम्र में माँ बनने से मातृ मृत्यु की संभावना 20 वर्ष की उम्र में माँ बनने से पाँच गुना अधिक होती है।

बाल-विवाह विरोधी कानून – बाल-विवाह को रोकने के लिए वर्ष 1929 में बाल-विवाह अंकुश अधिनियम बनाया गया। इसे शारदा एक्ट भी कहा जाता है। इस एक्ट में कई खामियाँ थीं। इन कमियों को दूर करने के लिये बाल-विवाह प्रतिषेध अधिनियम, (पीसीएमए) 2006 को 1 जनवरी 2007 से अधिसूचित किया गया। इसका उद्देश्य बाल-विवाह प्रथा की प्रभावी रोकथाम के लिये पहले कानून की विफलता को दूर करना व बाल-विवाह की रोकथाम के लिये एक समग्र व्यवस्था विकसित करना है। यह कानून 1 नवम्बर 2007 से लागू किया गया है। हालांकि स्वीकृत अंतर्राष्ट्रीय संधियों और राष्ट्रीय कानूनों में इस बात का उल्लेख किया गया है कि बच्चों को सुरक्षा प्रदान करना और उनके बुनियादी मानवाधिकारों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। कई अंतर्राष्ट्रीय संधियों पर भी हस्ताक्षर किये गये हैं, जिसमें उन्हें शोषण से बचाने व उन्हें सम्मानजनक अधिकार दिलाने हेतु प्रावधान है।

दिन का पारा लगातार 40 डिग्री के पार, रात में भी गर्मी बढ़ी, आज फिर तेज लू के आसार

फिर बदला मौसम, रात में और सुबह हुई बूंदाबांदी

संवाददाता ● इंदौर

शहर का मौसम एक बार फिर बदला है। जहां शुक्रवार शाम और रात को हल्की बूंदाबांदी देखने को मिली वहीं आज सुबह भी बूंदाबांदी हुई। पूर्वी इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई। शनिवार सुबह से आसमान में बादल छाए हैं, हालांकि बीच-बीच में धूप भी निकल रही है। पिछले चार दिनों से दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। मौसम विभाग ने आज भी तेज गर्मी की संभावना जताई है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री कम रहा। खास बात यह रही कि इस अप्रैल में पहली बार दिन का तापमान सामान्य से नीचे दर्ज हुआ है। वहीं, न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा था। इसके चलते रात में भी गर्मी का असर महसूस किया गया।

जानकारी

दरअसल, जिस तरह मार्च के आखिरी चार पांच दिनों में गर्मी एकदम से कम हो गई थी, दिन का तापमान सामान्य से कम रिकॉर्ड हो रहा था, ठीक वैसी ही स्थिति अप्रैल के आखिरी पांच दिनों में बनती दिख रही है। अभी गर्मी को प्रभावित करने वाला वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इसकी वजह से तापमान में कुछ कमी आएगी। इस दौरान तापमान 39 से 40 डिग्री के बीच ही रहने वाला है। शुक्रवार को भी दोपहर में कई बार 20-25 किमी की रफ्तार से हवा 10-20 सेकंड के लिए चली। दोपहर में देर तक धूप का रास्ता बादलों ने रोके रखा। फिर शाम को मौसम बदल गया। सीनियर मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक अगले चार दिन तक प्रदेश में हल्की बारिश और गरज-चमक के आसार हैं। कुछ जगहों पर लू भी चल सकती है।

शॉट न्यूज

मौत से पहले वीडियो बनाकर पति को ठहराया जिम्मेदार

इंदौर। लसूड़िया इलाके में महिला की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने वीडियो के आधार पर पति के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कविता पवार (22) निवासी राहुल गांधी नगर ने घर में सुसाइड कर लिया था। सुसाइड के पहले उसने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल किया था जिसमें बताया था कि मेरी मौत के लिए पति ईश्वर पवार जिम्मेदार है। कविता ने कहा कि पति आए दिन दहेज की बात को लेकर उसके साथ मारपीट करता था। इस मामले की जांच विजयनगर एसीपी ने की। उन्होंने कविता के माता-पिता और अन्य की कथन एवं वीडियो के फुटेज के आधार पर आरोपी ईश्वर पवार के खिलाफ के दर्ज करने का प्रतिवेदन लसूडिया पुलिस को दिया। पुलिस ने प्रतिवेदन के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा 80 सहित अन्य गंभीर धाराओं में प्रकरण दजी किया है।

परिचित ने किए वीडियो वायरल

इंदौर। परदेशीपुरा इलाके में रहने वाली एक छात्रा ने जहर खाकर सुसाइड करने का प्रयास किया। बताया जाता है कि छात्रा ने परिचित युवक द्वारा उसके अश्लील वीडियो वायरल कर दिए, जिससे परेशान होकर उसने या कदम उठाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह 10वीं क्लास की पढ़ाई कर रही है। 2 साल पहले उनके यहां शादी थी। तब रिश्तेदार युवक वहां आया था। बाद में मेरे भाई का भी युवक से विवाद हो गया। उनकी आपस में बातचीत भी बंद हो गई। पीड़िता ने बताया कि वह इंस्टाग्राम चलाती है यहीं पर युवक भी उससे जुड़ा हुआ है। कभी दोनों के बीच चैटिंग भी हो जाती है। दोनों एक दूसरे के पोस्ट देखा करते थे। 23 अप्रैल को युवक ने उसकी खुद की आईडी से दो अश्लील वीडियो पोस्ट किए, जिसमें पीड़िता और उसकी मां का फोटो एडिट कर उसमें किसी अन्य व्यक्ति की आवाज डाली गई। इसके साथ ही रील्स से कुछ फोटो वीडियो भी निकल गए, जिसमें गलत शब्दों का उपयोग किया गया। युवक से पीड़िता डर गई और उसने आत्महत्या के लिए जहर खा लिया जिसे परिजन ने अस्पताल में भर्ती कराया।

लोन दिलाने के बहाने लाखों के जेवर हड़पे

इंदौर। पलासिया इलाके में एक व्यक्ति को गोल्ड पर लोन दिलाने के बहाने दोस्त लाखों के जेवर लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने फरियादी पन्नालाल पिता स्वर्गीय मूलचंद सोनकर निवासी बड़ी ग्वालटोली की रिपोर्ट पर आदित्य प्रताप सत्यनारायण शर्मा निवासी अमृत पैलेस निपानिया के खिलाफ धारा 420 और 406 का प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी पन्नालाल ने पुलिस को बताया कि मैं आदित्य शर्मा को पिछले 7 साल से जानता हूं। आदित्य ने मुझे गोल्ड लोन दिलाने के बहाने दो जोड़ सोने के बाजूबंद, एक जोड़ कमरबंद, 4 जोड़ चूड़ियां, 4 जोड़ सोने के कड़े, पांच अंगूठियां आधा दर्जन सोने की चेन एवं ब्रेसलेट तथा जरूरी दस्तावेज लेकर चला गया। फरियादी पन्नालाल सोनकर के मुताबिक आदित्य ने लोन नहीं दिलवाया और सभी जेवर लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 420 और 406 का केस दर्ज किया है।

भारत रत्न बाबा साहब अम्बेडकर के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्व पर हुई संगोष्ठी

बाबा साहब के सिद्धांतों से विकास में सहभागी बने : सोलंकी

संवाददाता ● इंदौर

बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर भाजपा द्वारा समरसता पखवाड़ा के अंतर्गत उनके व्यक्तित्त्व और कृतित्व पर संगोष्ठी हुई। आयोजन भाजपा अजा मोर्चा द्वारा बेटमा में सांसद महेंद्र सोलंकी, युवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. निशांत खरे, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, अजा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेश गिरजे, महामंत्री भगवान परमार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गोपालसिंह चौधरी, अशोक यादव, घनश्याम नारोलिया, जिला महामंत्री कैलाश चौहान, रामस्वरुप गहलोत, अजा मोर्चा जिला अध्यक्ष राहुल चौहान, सरदार मालवीय की उपस्थिति में किया गया।

आयोजन

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सांसद महेंद्र सोलंकी ने कहा बाबा साहब सिर्फ दलित वर्ग के नेता नहीं थे बल्कि सर्व समाज के नेता थे। वे समाज सुधारक थे, इसलिए वे गरीबों के नेता थे, वंचितों के नेता थे। पीड़ितों के नेता, शोषित वर्ग के नेता थे, सबको न्याय दिलाने के लिए उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब को संविधान सभा समिति के चुनाव से लेकर उनके निर्वाण के पश्चात भी अपमानित करने का काम किया। कांग्रेस के मन में बाबा साहब को लेकर इतना द्वेष भरा था, कि उन्होंने उनका मरणोपरांत भी तिरस्कार किया, जिस संविधान को राहुल गांधी जेब में लेकर घूम रहे हैं, उनके परदादा और परदादी ने, जिस संविधान के कारण भारत में लोकतंत्र स्थापित है, उस संविधान के शिल्पज्ञ को 34 सालों तक भारत रत्न के सम्मान से वंचित रखा। हमारी सरकार ने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने का काम किया। सांसद सोलंकी ने कहा पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार बाबा साहब के विचारों से प्रेरित होकर कार्य कर रही है, इसलिए गरीबों को मकान मिल रहे हैं। गांव में घर-घर शौचालय बने, हर चौपाल तक रसोई गैस पहुंची है। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से आग्रह किया कि बाबा साहब के सिद्धांतों और विचारों को अपनाकर देश के विकास में सहभागी बने, यही बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने एक श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के साथ संविधान की रचना की। अन्य लोगों ने भी संबोधित किया।

पं.नेहरू की गलती के कारण हुआ देश का बंटवारा

डॉ. निशांत खरे ने कहा कि भारत का एक विभाजन जो हुआ वह नेहरु की गलती के कारण हुआ, लेकिन देश की आजादी के बाद कोई विभाजन नहीं हुआ, क्योंकि बाबा साहब ने संविधान की रचना की थी। कांग्रेस कहती है कि हम उनका सम्मान करते थे, तो फिर उन्हें संविधान सभा की समिति में आने से किसने रोका, दो लोकसभा के चुनाव में उनके खिलाफ किसने चुनाव लड़ा और नेहरु ने कांग्रेस प्रत्याशी का चुनाव प्रचार क्यों किया। कांग्रेस ने संविधान सभा से लेकर संसद भवन के सेंट्रल हाल में उनकी तस्वीर नहीं लगाने, भारत रत्न न देने तक लगातार उनका अपमान किया है। उन्होंने कहा कि संविधान लागू होने से आपातकाल लगने से पूर्व तक 25 बार संविधान बदलने का काम काँग्रेस ने किया और 1975 में आपातकाल लगने से 1977 तक इंदिरा गांधी ने 65 बार बाबा साहब के बनाए संविधान में बदलाव किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राष्ट्र हित और समाजहित के मुद्दों धारा 370, तीन तलाक, समान नागरिक अधिनियम, वक्फ संशोधन अधिनियम की खामियों को दूर करने के लिए संशोधन किए हैं।

किसान बोले : भरी दोपहरी में सिंचाई करने से सूख रही फसलें

इंदौर। बीते कुछ दिनों से मध्यप्रदेश पश्चिमी क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा गांवों की विद्युत सप्लाई का समय बदलकर दिन में कर दिया है। इस बदले शेड्यूल के हिसाब से सतत सुबह 8 बजे से शाम 6 तक भरी दोपहरी में गर्मी की फसलों को पानी देने से नुकसान हो रहा है। दिन में तेज हवाओं से बार-बार विद्युत सप्लाई बंद हो जाती है। इस बदले शेड्यूल से किसानों में काफी नाराजगी है संयुक्त किसान मोर्चा के नेता बबलू जाधव, रामस्वरूप मंत्री, शैलेंद्र पटेल चंदन सिंह बड़वाया आदि ने बताया कि किसान मांग कर रहे हैं कि सुबह और शाम दो शिफ्ट में जंगल की लाइट विद्युत कंपनी को देना चाहिए सतत 10 घंटा लाइट देने से बोरिंग और फसलों को नुकसान हो रहा है।

जल संसाधन मंत्री सिलावट ने दी विकास कार्यों की सौगात

इंदौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज इंदौर शहर के समीप सांवेर विधानसभा क्षेत्र के मांगलिया में विकास कार्यों की अनेक सौगात दी। उन्होंने मांगलिया में करीब 50 लाख लागत से निर्मित होने वाले संत रविदास भवन और लगभग 38 लाख रुपये लागत के नवीन ग्राम पंचायत भवन के निर्माण का भूमिपूजन किया। साथ ही उन्होंने कहा कि मांगलिया पंचायत में 60 करोड़ रूपये से अधिक लागत के विकास कार्यों की सौगातें दी गई है। इस दौरान सरपंच विजय हिरवे, जिला पंचायत सदस्य माखन पटेल जनपद, भारत पटेल, चेतन मेहता, महेश मंत्री, रवि वाजपेई सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

धार रोड से चंदन नगर होकर शहर में आने-जाने वाले ट्रैफिक का कम होगा दबाव

महापौर ने किया आजाद चौराहा ओवरब्रिज स्थल का निरीक्षण

संवाददाता ● इंदौर

धार रोड से चंदन नगर होते शहर में आने-जाने वाले ट्रैफिक दबाव को कम करने के लिए प्रस्तावित ओवरब्रिज पर नगर निगम और आईडीए अधिकारियों के साथ संयुक्त दौरा, डीपीआर निर्माण के निर्देश शहर के पश्चिमी क्षेत्र में यातायात समस्या के स्थायी समाधान और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा शहीद चंद्रशेखर आजाद चौराहा (चंदन नगर) पर प्रस्तावित ओवरब्रिज के संभावित स्थल का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण कि शुरुआत जिला अस्पताल से की धार रोड जाने वाले मार्ग तक किया गया। इस निरीक्षण में पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, क्षेत्रीय पार्षद महेश चौधरी, एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर, निरंजन सिंह चौहान नगर निगम एवं इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के अधिकारी, और बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी शामिल हुए।

विकास

ओवरब्रिज की जरूरतः धार रोड से चंदन नगर होते हुए शहर में प्रवेश करने वाले भारी ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए ओवरब्रिज निर्माण प्रस्तावित।

निरीक्षण स्थलः दौरा धार रोड से शुरू होकर जिला अस्पताल के पास तक संभावित मार्ग पर किया गया। महापौर ने फिजिबिलिटी रिपोर्ट के आधार पर डीपीआर (डीटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार करने के निर्देश दिए। नगर निगम और आईडीए के अधिकारियों को तकनीकी सर्वे और आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए।

वैकल्पिक सड़क योजनाः पश्चिमी रिंग रोड से एयरपोर्ट को जोड़ने वाली नई सड़क योजना का भी दौरा किया गया, जिसका टेंडर 1-2 दिन में निकाला जाएगा।

स्थानीय नागरिकों से अपील : महापौर ने लोगों से स्वेच्छा से निर्माण हटाने और शहर के विकास में सहभागी बनने की अपील की।

शहर विकास को गति : यह परियोजना इंदौर की भविष्य की यातायात जरूरतों और शहरी विकास को ध्यान में रखकर प्रस्तावित की गई है।

देवगुराड़िया रेत मंडी के बाहर अवैध रूप से खड़े 8 हाईवा और डंपर जब्त

संवाददाता ● इंदौर

देवगुराड़िया रेत मंडी के आसपास सड़क पर हाईवा और डंफर खड़े कर यातायात को बाधित किए जाने की लगातार मिल रही शिकायतों पर कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशानुसार जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। एसडीएम बिचौली अजय भूषण शुक्ला के नेतृत्व में तहसीलदार बलवीर राजपूत, नायब तहसीलदार देवेंद्र कछावा, खनिज निरीक्षक आलोक अग्रवाल, राजस्व निरीक्षक, पटवारी और पुलिस बल के साथ मिलकर संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। सड़क पर अवैध रूप से खड़े 8 हाईवा और डंफर को जप्त कर थाना खुड़ैल परिसर में खड़ा किया गया। इन वाहनों के मालिकों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

साथ ही रेत विक्रेताओं को सख्त हिदायत दी गई कि रेत मंडी की परिधि के भीतर ही वाहनों को खड़ा कर वैधानिक रूप से रेत का विक्रय और परिवहन करें। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध रेत परिवहन और विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

करोड़ों रुपए के राजस्व के लिए कार्रवाई जल्द

मुक्त कराए छोटे प्लॉटों की नीलामी करेगा आइडीए

संवाददाता ● इंदौर

अपनी जमीनों को अवैध कब्जों से दूर रखने के लिए आईडीए अब अलग-अलग स्कीमों में खाली पड़े छोटे प्लॉटों की नीलामी करने जा रहा है। इसके लिए लगातार सर्वे के बाद अब अलग-अलग योजनाओं के खाली प्लॉटों के लिए टेंडर जारी होने जा रहे हैं। इसके साथ ही आईडीए छोटे प्लॉट के लिए एक बड़ी योजना पर इन दिनों काम कर रहा है।

कार्रवाई

जानकारी अनुसार आईडीए (इंदौर विकास प्राधिकरण) अभी तक किसानों की जमीन अधिग्रहित करने के साथ ही उन्हें विकसित कर बड़े प्लॉट किसानों को ही देता रहा है जिससे उनके अनुसार वह बेच सकते हैं। अब बड़ी योजनाओं के साथ-साथ ऐसे कई महत्वपूर्ण योजना में छोटे भूखंड रह गए हैं या जिन पर कब्जे थे उन्हें हटाने की कार्रवाई भी पिछले दिनों आईडीए ने अपनी ओर से की थी।ऐसे प्लाट को लेकर एक सूची तैयार हुई है। इस सूची के अनुसार उन छोटे प्लाट को नीलाम किया जा रहा है और टेंडर भी जल्द ही जारी होने जा रहे हैं। आईडीए की अलग-अलग योजनाओं में ऐसे कई छोटे बड़े टुकड़े शेष बचे हुए हैं जिन्हें अब नीलामी तहत बेचा जा रहा है और जल्द ही प्राधिकरण को करोड़ों रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलने जा रहा है। इस तरह के खाली पड़ी जमीन का कोई उपयोग भी नहीं हो रहा था प्राधिकरण की ओर से अभी हाल ही में एक महत्वपूर्ण योजना जो सुप्रीम कोर्ट से भी जीत हासिल की थी। ऐसी योजना के अंतर्गत अब जमीन पर छोटे भूखंड बेचने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट से जीत हासिल करने के बाद जमीन पर अतिक्रमण को भी हटाने की कार्रवाई पिछले दिनों ही की थी।

तीन दर्जन से अधिक नई टंकियां बनवाने की तैयारी में नगर निगम

लोगों को भरपूर पानी उपलब्ध करवाने के लिए खर्च होंगे 800 करोड़ से अधिक

संवाददाता ● इंदौर

लोगों को पर्याप्त पानी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से नगर निगम तीन दर्जन से अधिक पानी की टंकियां का निर्माण करने की तैयारी में है। इन टंकियां के निर्माण पर करीब 800 करोड़ रुपए से अधिक लोकधन खर्च किया जाएगा। टंकियां के निर्माण के साथ ही गरीब 900 किलोमीटर लंबी सप्लाई लाइन भी शहर भर में बिछाई जाएगी। बताया जा रहा है कि अमृत-2 प्रोजेक्ट के तहत यह काम किया जा रहा है। नई बनने वाली तीन दर्जन से अधिक टंकियां के लिए पानी की आपूर्ति नर्मदा के चौथे चरण से किए जाने की प्लानिंग है। हालांकि यह बात और है कि नर्मदा प्रोजेक्ट के तीन चरण होने के बाद भी शहर में स्थित टंकियां ही पूरी तरह नहीं भर पाती हैं। ऐसे में चौथा चरण आने के बाद भी टंकियां भर पाएगी इसे लेकर प्रश्न उठाए जा रहे हैं।

प्रोजेक्ट

जानकारी अनुसार तेजी से विकसित हो रहे शहर के लिए नगर निगम हर संभव जलापूर्ति की कोशिश कर रहा है। शहर में पानी की कमी को दूर करने के लिए अमृत-2 के तहत नर्मदा का चौथा चरण लाने के लिए जलूद से लेकर बिजलपुर स्थित कंट्रोल रूम तक काम होगा। जलप्रदाय व्यवस्था के लिए शहर में तीन दर्जन से अधिक नई टंकियों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही इन नई टंकियों से लोगों के घरों तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए 300 किलोमीटर तक नई सप्लाय लाइन डाली जाएगी।

पुरानी पड़ चुकी लाइनों को भी बदलने की तैयारी

शहर में नई टंकियां बनाने के साथ ही शहर की 600 किलोमीटर पुरानी नर्मदा पाइप लाइन बदली जाएगी जो कि 75 टंकियों से जुड़ी हैं। पाइप लाइन के जर्जर और टूट-फूट होने के चलते बदला जा रहा है, क्योंकि लाइनों की खराब हालात के कारण लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिलता और मिलता तो गंदा। निगम कुल 900 किलो मीटर तक सप्लाय लाइन डलेगा। टंकी निर्माण के साथ लाइन डालने का काम तीन साल यानी 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एमआइसी से मंजूरी मिलते के बाद जलप्रदाय विभाग ने 40 पानी की टंकी बनाने और सप्लाय लाइन डालने के टेंडर जारी कर दिए हैं। दोनों काम 815.94 करोड़ रुपए में किए जाएंगे। निगम ने काम को तय समय में पूरा करने के लिए दो अलग-अलग टेंडर जारी किए हैं। टेंडर डालने की आखिरी तारीख 28 मई रखी गई और टेंडर खोलने की तारीख 30 मई है।

हमारे ठंडे स्थान गर्म द्वीपों में क्यों बदलते जा रहे हैं?

मैं आठ साल का था, तब मुझे कावेरी नदी के बारे में बताया गया कि कर्नाटक के कोडागु जिले के पश्चिमी घाट में तलाकावेरी नामक जगह पर इसका उद्गम है। मुझे बताया गया कि यह नदी कर्नाटक के दक्कन के पठार से 320 किमी यात्रा करने के बाद तमिलनाडु में दाखिल होती है और फिर यहां से 416 किमी बहते हुए तमिलनाडु के मयिलादुथुराई जिले के पास पूम्पुहार में बंगाल की खाड़ी में समा जाती है। हालांकि हमारे पास कावेरी बेसिन के पूरे 700 किमी की यात्रा करने के लिए पैसे नहीं थे, लेकिन हमने इसके मुहाने से पहले, विपरीत दिशा में दस गांवों की यात्रा की। इनमें एक कुंभकोणम भी था, जो कि दक्षिण भारत में मंदिरों का शहर कहा जाता है और मेरा जन्मस्थान भी है।

साइकिल पर उन यात्राओं के दौरान मेरे अंकल अक्सर रुकते और उन्हें अगर बच्चे नदी किनारे पेशाब करते दिख जाते, तो वे उन्हें डांटते और उनके माता-पिता को चेतावनी देते। वे नदी के किनारों की सफाई करते हुए समाजसेवा भी करते। इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोगों को जल स्रोतों के महत्व और उन्हें प्रदूषित करने के खतरों के बारे में संवेदनशील बनाना था। इन छह दशकों में, अपनी सालाना यात्रा के दौरान हर बार मैंने महसूस किया है कि यह सदाबहार नदी धीरे-धीरे मर रही है और कुंभकोणम तक नहीं पहुंचती। बचपन की ये यादें तब याद आ गईं, जब मैंने पुणे स्थित नागरिक समूह जलदिंडी प्रतिष्ठान के बारे में सुना। ये समूह पावना नदी की दुर्दशा के बारे में स्थानीय बच्चों को जागरूक करने के लिए हर साल एक ट्रिप कराता है। पावना, पश्चिमी घाट से निकलती है और 24 किमी यात्रा करके पुणे के पास पिंपरी चिंचवाड़ तक पहुंचती है।

पिंपरी चिंचवाड़ के लगभग 80% लोगों को इसी नदी से पीने का पानी मिलता आ रहा है। लेकिन पिछले दो वर्षों से, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की कमी, अनियंत्रित औद्योगिक व घरेलू अपशिष्ट ने इस नदी को देश की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक बना दिया है। आज ये जलकुंभी, कूड़े, बेजान मछलियों से भरी हुई है। इस महत्वपूर्ण संसाधन को बचाने में अधिकारी विफल हैं, ऐसे में इस समूह का मिशन बच्चों को प्रेरित करना है, ताकि वे नदी के संरक्षक बनें। पावना के खात्मे से राजीव भावसार और उनकी टीम चिंतित है। राजीव कहते हैं, ह्यहर साल, प्रदूषण के कारण नदी एक और किलोमीटर मर रही है, और हम इसके लिए कुछ नहीं कर रहे हैं। सवाल है कि क्या नदियां खत्म हो रही हैं, इसीलिए तापमान बढ़ रहा है? ये कई कारणों में से एक है। एक समय, पहाड़ी इलाके ठंडी जलवायु के लिए जाने जाते थे, वजह इनकी ऊंचाई और हवा के बहाव के अनुकूल ढलानें थी, पर अब स्थितियां उलट हैं। हैदराबाद के जुबली हिल्स का उदाहरण लें।

पिंपरी चिंचवाड़ के लगभग 80% लोगों को इसी नदी से पीने का पानी मिलता आ रहा है। लेकिन पिछले दो वर्षों से, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की कमी, अनियंत्रित औद्योगिक व घरेलू अपशिष्ट ने इस नदी को देश की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक बना दिया है। आज ये जलकुंभी, कूड़े, बेजान मछलियों से भरी हुई है। इस महत्वपूर्ण संसाधन को बचाने में अधिकारी विफल हैं, ऐसे में इस समूह का मिशन बच्चों को प्रेरित करना है, ताकि वे नदी के संरक्षक बनें। पावना के खात्मे से राजीव भावसार और उनकी टीम चिंतित है। राजीव कहते हैं, ह्यहर साल, प्रदूषण के कारण नदी एक और किलोमीटर मर रही है।

ये इलाका रईसों के आवास के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने यहां के ठंडे मौसम के कारण दशकों पहले ये जगह चुनी। समुद्र तल से ऊंचाई वाले यही इलाके, जहां कभी गर्मी ठहरती नहीं थी, पर अब चारों ओर से ऊंची इमारतों से घिरे रहने के कारण और कंक्रीट की सड़कें, कांच की इमारतों के चलते यहां से गर्मी बाहर वातावरण में नहीं निकल पा रही है। गर्मी को रोकने वाली सामग्री का उपयोग, घने निर्माण की अनुमति और छिटपुट ट्री कवर को लेकर कोई चिंतित नहीं है, जिसके चलते ये पॉश इलाके अपने ही इंफ्रास्ट्रक्चर की आग में तप रहे हैं। आईआईटी भुवनेश्वर के अध्ययन में कहा गया है कि बदले शहरी परिदृश्य को अब वाष्पीकरण से मिलने वाली ठंडक का कोई फायदा नहीं मिलता, बल्कि उच्च-थर्मल-इनर्शिया वाली सतहें (जो कि गर्मी को सोख नहीं पाती) व गर्मी के पार्टिकल्स की हीट एनर्जी भी नहीं निकल पाती, जिससे अर्बन हीट आयलैंड इफेक्ट पैदा हो रहा है।

जब तक हम गिरते ग्रीन कवर को रोकने, नदियों व झीलों को सूखने से बचाने के लिए कुछ नहीं करते और मशरूम की तरह पनपते कंक्रीट के जंगलों पर कड़ी नजर नहीं रखते, तब तक इन ठंडे स्थानों पर खतरा मंडराता रहेगा। फंडा यह है कि समय आ गया है कि हम अगली पीढ़ी को यह सिखाएं कि ज्यादा से ज्यादा ग्रीन कवर उगाना और अपने जल स्रोतों की रक्षा करना ही एकमात्र रास्ता है। कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे पूर्वजों ने नदियों को अक्सर देवतुल्य मानकर पूजा। उस विश्वास को हमें फिर से लाना होगा।

संत वचन

जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा।ईश्वर हम सभी के साथ रहें और वह हमारे हर प्रयास और प्रयासों को आशीर्वाद दें ताकि हम सभी चीजों में उनकी महिमा करते रहें। इसके बजाय, ईसाइयों के रूप में, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि हम विनम्र रहें और दूसरों की बात सुनने के लिए तैयार रहें, खासकर भगवान की बात सुनने में। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार

पहलगाम के कई निहितार्थ धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं

एडिट.नोट

पहलगाम के दीर्घकालिक निहितार्थ तो एक-एक कर सामने आएंगे, लेकिन कुछ चीजें स्पष्ट हो रही हैं। निर्दोष पर्यटकों की हत्या पर देश में बढ़ते गुस्से को देखते हुए सरकार पर पाकिस्तान के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने का दबाव है। सरकार के लिए यह दिखाना जरूरी हो गया है कि वो इस मामले को लेकर वाकई गंभीर है। जैसे-जैसे पर्यटकों के शव उनके परिवारों तक पहुंच रहे हैं और उनके अंतिम संस्कार के मार्मिक दृश्य प्रसारित हो रहे हैं- सरकार पर प्रेशर बढ़ता जा रहा है। लोगों का गुस्सा खासतौर पर इस तथ्य से और बढ़ गया है कि आतंकवादियों ने पहले पुरुषों का धर्म जानना चाहा और उन्हें उनके परिवार के सामने गोली मार दी। हालांकि पाकिस्तान की हुकूमत ने इस कृत्य से खुद को अलग कर लिया है, लेकिन भारत में बहुत कम लोग इस बात से सहमत हैं कि पाकिस्तान का इससे कोई लेना-देना नहीं है। खास तौर पर तब, जब पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने कुछ दिन पहले ही कश्मीर को इस्लामाबाद की ह्यगले की नसह्न कहा था, जिसे वे कभी नहीं छोड़ेंगे।

दूसरा निहितार्थ जम्मू-कश्मीर के लिए है। उड़ानें और होटल बुकिंग तेजी से रद्द हो रही हैं और पर्यटक जितनी जल्दी हो सके कश्मीर से बाहर निकल रहे हैं। यह जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका है, और इसमें जल्दी बदलाव होने की संभावना नहीं है। इसका राज्य में पर्यटन पर असर पड़ना तय है, जो पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। पिछले साल तो पर्यटकों की संख्या 2.3 करोड़ के रिकॉर्ड आंकड़े को छू गई थी। हाल के सालों में भारत और विदेश से अनेक लोग कश्मीर में छुट्टियां मनाने आने लगे थे, जिससे स्थानीय लोगों की अच्छी कमाई हो रही थी। घाटी के लोग भले ही अनुच्छेद 370 के हटने से पूरी तरह सहमत न हुए हों, लेकिन वे नई सत्ता-संरचना के साथ सामंजस्य बिठाने लगे थे। आर्थिक लाभ में शांति में हिस्सेदारी कर रहे थे। तो क्या चीजें अब फिर से अनिश्चित हो जाएंगी? कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

लेकिन कहानी का सकारात्मक पक्ष यह है कि पहलगाम हत्याकांड के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के आम लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध-प्रदर्शन किया है। राज्य में बंद रहा, लोगों ने विरोध मार्च निकाले और यहां तक कि कश्मीर के प्रमुख समाचार पत्रों ने विरोध के तौर पर अपने मुखपृष्ठ को स्याह रंग से पोत दिया। यह सब तीन दशकों से नहीं देखा गया था। उमर अब्दुल्ला सरकार के लिए भी इसके निहितार्थ हैं। वे जम्मू-कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा मांग रहे हैं, जिसका वादा केंद्र ने किया था। पहलगाम के बाद, क्या केंद्र जल्दबाजी में राज्य का दर्जा देना चाहेगा? जितने समय तक इसे स्थगित किया जाता है, उमर अब्दुल्ला के लिए स्थिति उतनी ही कठिन होती जाएगी। वे मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके पास पुलिस अधिकार भी नहीं हैं! इसका उस व्यापार समझौते पर भी असर पड़ सकता है, जिस पर भारत अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है और हमले का समय अपनी कहानी बयां करता है। जब यह हुआ, तब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत में थे। वे डोनाल्ड ट्रम्प की जैसे-को-तैसा टैरिफ की धमकी के बाद अमेरिका के साथ नए व्यापार समझौते को तैयार करने में मदद करने के लिए यहां आए थे। ऐसे में कई लोग पहलगाम को पाकिस्तान द्वारा भारत और अमेरिका दोनों के लिए एक संकेत के रूप में देखते हैं कि वे इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते।

हालांकि चीन ने आतंकी हमले की निंदा की है- जैसा कि अमेरिका, रूस तथा यूरोपीय देशों ने भी किया है- लेकिन बीजिंग के पाकिस्तान के साथ गहरे ताल्लुक रहे हैं। अब भारत के लिए यह चुनौती और कठिन हो गई है कि चीन को अलग-थलग किए बिना अमेरिका के साथ व्यापार-समझौता कैसे करें। आतंकवादी स्पष्ट रूप से भारत में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दरार पैदा करना चाहते थे। पुरुषों को मारने से पहले उनका धर्म पूछने से पूरे देश के हिंदुओं में आक्रोश है। कुछ दिन पहले पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने द्विराष्ट्र सिद्धांत पर जोर देते हुए कहा था कि हिंदू और मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते और उनके ये शब्द पाकिस्तानी सोच को दशार्ते हैं।

पवन के. वर्मा - लेखक

संसद को कोर्ट के विरोध में खड़ा करना गैरजरूरी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक मिलनसार व्यक्ति हैं। कुछ साल पहले मैं कोलकाता में अपनी पुस्तक ह्यआदि शंकराचार्य : हिंदू धर्म के महानतम दार्शनिक पर बोल रहा था और राज्यपाल के रूप में उन्हें वहां लगभग 15 मिनट के लिए उपस्थित होना था। लेकिन वे मेरे भाषण के अंत तक रुके। बाद में, जब हम दिल्ली में मिले, तो उन्होंने इस अवसर को जीवंत रूप से याद किया, और बहुत उत्साह से प्रशंसा की। उनके आतिथ्य और तत्पर-विनोद ने मुझ पर एक अलग छाप छोड़ी।

हालांकि, संवैधानिक मामलों में हमारी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद गौण होती हैं। देश के दूसरे सबसे बड़े संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए तो यही ज्यादा मायने रखता है कि वे संविधान की कैसी व्याख्या करते हैं, और इसके भीतर महत्वपूर्ण घटकों की कैसी भूमिका देखते हैं। उपराष्ट्रपति ने हाल ही में न केवल सर्वोच्च न्यायालय पर ह्यन्यायिक अतिक्रमणह्न का आरोप लगाया, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 142 को संसद की सर्वोच्चता के खिलाफ ह्यपरमाणु मिसाइलह्न के रूप में इस्तेमाल करने की भी बात कही। ये कठोर शब्द हैं, अलबत्ता उनकी आलोचना-वृत्ति नई नहीं है। दिसंबर 2022 में पदभार संभालने के तुरंत बाद भी धनखड़ ने ऐतिहासिक केशवानंद भारती फैसले (1973) पर सवाल उठाकर बहस छेड़ दी थी, जिसने संविधान के ह्यमूल ढांचेह्न की रक्षा के लिए एससी के अधिकार को स्थापित किया था। उन्होंने इसे संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति को सीमित करने के रूप में देखा। धनखड़ ने तर्क दिया था कि इस न्यायिक ह्याइनोवेशनह्न का संविधान में कोई स्पष्ट आधार नहीं था और इसने संसदीय संप्रभुता को कमजोर किया है। तब भी उनकी टिप्पणियों को कई लोगों ने संविधान की व्याख्याता के रूप में न्यायपालिका की भूमिका के लिए एक अप्रत्यक्ष चुनौती की तरह देखा था।लेकिन उनकी नवीनतम आलोचना, जिसमें उन्होंने राज्य विधेयकों पर राष्ट्रपति के विवेकाधिकार में एससी के हस्तक्षेप पर निशाना साधा है- ने बात को तूल दे दिया है। इसके मूल में राज्यपालों पर एससी की वे टिप्पणियां हैं, जिनमें विशेष रूप से विपक्ष-शासित राज्यों में विधेयकों को दबाए रखने की बात कही गई थी। तमिलनाडु, केरल और पंजाब में तो राज्य सरकारों ने राज्यपालों पर ह्यकेंद्र के एजेंटह्न के रूप में कार्य करने का आरोप लगाया, जो वर्षों तक विधेयकों में टालमटोल करते हैं। ऐसे में त्वरित निर्णय लेने पर सर्वोच्च न्यायालय का जोर संवैधानिक कार्यालयों को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए हथियार बनाने से रोकने के लिए आवश्यक सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए।लेकिन इस न्यायिक निरीक्षण के प्रति धनखड़ का प्रतिरोध एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है। यह कि अगर संवैधानिक पदाधिकारी अपने कर्तव्य में विफल होते हैं, तो जवाबदेही कौन सुनिश्चित करेगा? संविधान स्वयं राज्यपालों या राष्ट्रपति को विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए कोई स्पष्ट समयसीमा प्रदान नहीं करता है। ऐसे परिदृश्य में, सत्ता के दुरुपयोग को रोकने के लिए न्यायिक व्याख्या जरूरी हो जाती है। राष्ट्रपति को निर्देश जारी करने का प्रश्न तो हास्यास्पद है, क्योंकि वे एक ऐसे संवैधानिक प्राधिकारी हैं, जो मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करते हैं।

मेरे खयाल से, धनखड़ एक गलत व्याख्या कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट कानून बनाने के लिए संसद के निर्विवाद संवैधानिक अधिकार पर सवाल नहीं उठा रहा है। सुप्रीम कोर्ट सिर्फ यह जांच रहा है कि क्या ऐसे कानून संविधान के अनुरूप हैं। यह सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार है। अगर ऐसा न हो तो कोई कार्यपालिका पर कोई रोकटोक नहीं होगी और वह बेलगाम हो सकती है। उदाहरण के लिए, लोकसभा में पूर्ण बहुमत और राज्यसभा में पर्याप्त संख्याबल की सहायता से कोई राजनीतिक दल भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने वाला कानून पारित कर सकता है। लेकिन तब भी सुप्रीम कोर्ट को इसे रद्द करने का अधिकार होगा, क्योंकि वह कानून संविधान के अनुच्छेद 25 का स्पष्ट रूप से उल्लंघन करने वाला होगा। अनुच्छेद 25 भारत के सभी व्यक्तियों को अपने धर्म को स्वतंत्र रूप से मानने, उसका अभ्यास और प्रचार करने का मौलिक अधिकार देता है, वहीं संविधान की प्रस्तावना सभी भारतीयों को ह्यविचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, आस्था और उपासना की स्वतंत्रताह्न भी प्रदान करता है। संसद को सुप्रीम कोर्ट के विरोध में खड़ा करके धनखड़ एक अनावश्यक टकराव पैदा कर रहे हैं, जिसे संविधान ने स्पष्ट रूप से शुरू में ही हल कर दिया था। यह संसदीय लोकतंत्र के कामकाज को खतरे में डाल सकता है।भारत का संविधान स्वयं राज्यपालों या राष्ट्रपति को विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए कोई स्पष्ट समयसीमा प्रदान नहीं करता है।

बिजनेस

भारत-पाकिस्तान तनाव बढ़ने के बावजूद विदेशी निवेशकों की वापसी, 17424 करोड़ की खरीदारी

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बावजूद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध खरीदार बने रहे। इस दौरान उन्होंने 17,424.88 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। एनएसडीएल की ओर से जारी आंकड़ों से इसकी पुष्टि होती है।हाल ही में, कश्मीर में आतंकवादियों की ओर से निर्दोष पर्यटकों की हत्या के बाद एक बड़ी भू-राजनीतिक चिंता पैदा हुई है। इसके कारण भारतीय बाजारों पर एक बड़ा असर दिखा। निवेशकों को भारत की जवाबी कार्रवाई की आशंका है, जैसा कि उरी और बालाकोट हमलों के बाद हुआ था। पिछली बार भारत की ओर से आतंकी हमलों के 10 और 15 दिन बाद कार्रवाई की गई थी।

बैंकिंग और मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा के अनुसार भू-राजनीतिक नतीजे और कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई का जोखिम भारतीय बाजारों पर हावी है।उन्होंने कहा कि अच्छी आय, अच्छे एफपीआई प्रवाह और टैरिफ युद्ध में नरमी जैसे मजबूत वैश्विक संकेतों के बावजूद कश्मीर में हुए हत्याकांड के बाद भारतीय बाजार फिसल गए। यह भू-राजनीतिक असर अगले कुछ हफ्तों तक भारतीय बाजारों को धीमा रख सकता है।

भले ही भारतीय कंपनियों ने अच्छी आय दर्ज की हो, विदेशी निवेशकों ने मजबूत निवेश किया हो और वैश्विक संकेत टैरिफ युद्ध के संभावित समाधान की उम्मीद बढ़ी हो लेकिन कश्मीर की घटना के बाद भारतीय बाजार में बिकवाली दिखी।पिछले दो हफ्तों में मजबूत निवेश के बावजूद, अप्रैल में शुद्ध एफपीआई निवेश नकारात्मक बना हुआ है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल के लिए शुद्ध निकासी 5,678 करोड़ रुपये है। यह बताता है कि हाल के समय में बाजार में लौटा निवेश उससे पहले हुई निकासी की भरपाई फिलहाल पूरी नतह से नहीं कर पाया है।

वर्ष 2025 की बात करें तो विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से बड़ी मात्रा में निकासी की है। 2025 के लिए अब तक एफपीआई की ओर से शुद्ध निकासी 1,22,252 करोड़ रुपये है। वैश्विक बाजार में भले ही आने वाले कुछ दिनों में सकारात्मक रुख दिखे पर भारत-पाकिस्तान की सीमा पर बढ़े मौजूदा तनाव के कारण भारतीय बाजारों पर दबाव दिख सकता है।

राज-काज

शेयर बाजार में फिर गिरावट; सेंसेक्स 589 अंक गिरा

मुंबई। एक्सिस बैंक में बिकवाली और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाक सीमा पर बढ़ते तनाव के कारण शुक्रवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट दिखी। शुरूआती बढ़त को गंवाते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 588.90 अंक या 0.74 प्रतिशत टूटकर 79,212.53 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,195.62 अंक या 1.49 प्रतिशत गिरकर 78,605.81 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और यह 207.35 अंक या 0.86 प्रतिशत गिरकर 24,039.35 अंक पर आ गया। इस दौरान रुपया डॉलर के मुकाबले 7 पैसे की गिरावट के साथ 85.40 के स्तर पर बंद हुआ।विशेषज्ञों के अनुसार मंगलवार को पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से जुड़ी चिंता ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया।

टैरिफ वार देश के लिए अवसर, अमेरिका में बिकने वाले सभी आईफोन भारत में बनाएगी एपल

मुंबई। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता व्यापार तनाव भारत के लिए बड़ा अवसर साबित होने जा रहा है। दुनिया की कई बड़ी टेक कंपनियां अपना विनिर्माण चीन से भारत शिफ्ट करने पर विचार कर रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिग्गज टेक कंपनी एपल अमेरिका में बिकने वाले सभी आईफोन का निर्माण अगले साल की शुरूआत से भारत में करने की योजना बना रही है। इससे न सिर्फ मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि वैश्विक विनिर्माण हब बनने की दिशा में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका-चीन व्यापार तनाव के कारण एपल समेत कई कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने के लिए तेजी से काम कर रही हैं। एपल अमेरिका में बिकने वाले 6 करोड़ से ज्यादा आईफोन का उत्पादन 2026 के अंत तक पूरी तरह से भारतीय प्लांट में स्थानांतरित करना चाहती है। यह एपल के दशकों में सबसे महत्वपूर्ण विनिर्माण बदलाव को दशार्ता है, जो भारत में इसके हालिया निवेश योजनाओं पर आधारित है।एपल ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन के साथ साझेदारी के जरिये भारत में अपना उत्पादन बढ़ाया है। फॉक्सकॉन चीन से उपकरणों का आयात कर भारत में आईफोन बना रही है। मार्केट इंटेलिजेंस फर्म आईडीसी के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 के पहले तीन महीनों में भारत में बने 30 लाख से अधिक आईफोन का निर्यात किया गया। फॉक्सकॉन ने मार्च में 1.31 अरब डॉलर के आईफोन का निर्यात किया। इसमें आईफोन-13, 14, 16 और 16ई जैसे मॉडल भी शामिल थे।

एपल अपने भारतीय उत्पादन को दोगुना करने के साथ बंगलूरू, पुणे, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में चार नए स्टोर खोलकर खुदरा बिक्री बढ़ाने करने की योजना बना रही है। इसके साथ ही, कंपनी विनिर्माण और खुदरा क्षेत्र में भूमिकाओं के लिए सैकड़ों भर्तियां करने वाली है। एपल भारत में 3,000 से अधिक लोगों को रोजगार देती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एपल एकमात्र टेक कंपनी नहीं है, जिसकी भारत पर नजर है। वियतनाम से आयातित वस्तुओं पर 46 फीसदी टैरिफ के बाद सैमसंग अपने स्मार्टफोन उत्पादन को भारत में स्थानांतरित करने पर विचार कर रही है।

पिछले साल की तुलना में हवाई यात्रियों की संख्या 8.79% बढ़ी, मार्च में इतने करोड़ लोगों ने भरी उड़ान

नई दिल्ली। मार्च महीने में देश में करीब 1 करोड़ 45 लाख यात्रियों ने उड़ान भरी। डीजीसीए ने शनिवार को आधिकारिक आंकड़े जारी कर यह जानकारी दी। देश के हवाई यात्रियों की संख्या में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 8.79 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले साल यानी मार्च 2024 में कुल 1 करोड़ 33 करोड़ यात्रियों ने उड़ान भरी थी। नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने अपनी मासिक घरेलू यात्री यातायात रिपोर्ट में कहा, ₹मार्च 2025 के दौरान देश की विमानन कंपनियों से 145.42

लाख यात्रियों ने सफर किया। पिछले साल इसी अवधि के दौरान 133.68 लाख यात्रियों ने उड़ान भरी थी।₹ बीते महीने में इंडिगो ने कुल 93.1 लाख यात्रियों को परिवहन सुविधा प्रदान की, जिस-की बाजार हिस्सेदारी 64 प्रतिशत रही। जबकि एयर इंडिया समूह ने (पूर्ण सेवा प्रदाता एयर इंडिया और कम लागत वाली कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस) के जरिए 38.8 लाख यात्रियों को परिवहन सुविधा प्रदान की। उसकी बाजार हिस्सेदारी 26.7 प्रतिशत रही। दो अन्य प्रमुख एयरलाइन कम्पनियों अकासा एयर और स्पाइसजेट ने मार्च 2025 में क्रमशः 7.2 लाख और 4.8 लाख यात्रियों को उड़ान सेवाएं प्रदान की। उनकी बाजार हिस्सेदारी क्रमशः 5 प्रतिशत और 3.3 प्रतिशत रही।मार्च 2025 में इंडिगो के विमान सबसे अधिक 88.1 प्रतिशत समय पर रहे। उसके बाद अकासा एयर का ओटीपी (ऑन टाइम परफॉर्मेंस) 86.9 प्रतिशत रहा। एयर इंडिया समूह और स्पाइसजेट का स्कोर क्रमशः 82 प्रतिशत और 72.1 प्रतिशत प्रदर्शन किया। ओटीपी की गणना चार मेट्रो हवाई अड्डों - बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई के लिए की गई है।

अहमदाबाद में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पुलिस ने 400 से अधिक संदिग्ध आप्रवासियों को हिरासत में लिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पहलगाम घटना में दिवंगत नागरिकों को श्रद्धांजलि दी

पहलगाम की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, आतंकवादियों को जवाब मिलेगा : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय सेना को परमात्मा का भी आशीर्वाद प्राप्त है जो हर तरह की अव्यवस्था को सुव्यवस्था में बदल सकती है। हाल ही में पहलगाम में हुई घटना से सभी का मन विचलित और व्यथित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज भोपाल के एयर पोर्ट रोड पर द्रोणांचल परिसर स्थित योद्धा स्थल में लाइट एण्ड साउंड शो के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह शो प्रत्येक शुक्रवार, शनिवार और रविवार की शाम को होगा।

समारोह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मानवता के दुश्मनों द्वारा पहलगाम में किए गए कायराना हमले में दिवंगत सभी पर्यटकों को श्रद्धांजलि दीं। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर अधर्म करने वालों को निश्चित रूप से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और हमारी सरकार जहां उनका मुकाम है वहां पहुंचाकर छोड़ेगी। इस घटना के बाद पूरा देश एकजुटता के साथ इस नृशंस हत्या कांड के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा है। पूरे देश को शुरू से सेना के प्रति आशा और उम्मीद की किरण दिखाई देती है। यह हम सबका सौभाग्य है कि हमारी सेना हमेशा असंभव को संभव करके दिखाती है। हमारे जवान किसी भी स्थिति में स्वर्ग रचने का काम करते हैं, वे दुश्मनों के लिए काल, विकराल और महाकाल बनकर वीरता के झंडे गाड़ते हैं।

अद्भुत है लाइट एंड साउंड शो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाइट एंड साउंड शो की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसमें पाषाण युग से लेकर अब तक के अतीत को और समस्त घटनाओं को श्रेष्ठ ढंग से संयोजित किया गया है। यह स्थान श्रद्धा के भाव से हमें भर देता है। भोपाल का इतिहास भी शो का हिस्सा बना है। यह लाइट एंड साउंड शो सेना के शौर्य से परिचित करवाकर युवाओं को प्रेरित करने का कार्य करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैसे तो पर्यटन विभाग लाइट एंड साउंड शो करता है लेकिन सेना का यह प्रयास सराहनीय है। यह गौरव का क्षण है। योद्धा स्थल सहित विभिन्न स्मारक राजधानी का गौरव बढ़ा रहे हैं।यह सिलसिला निरंतर चल रहा है।

प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में सेना के प्रयास सराहनीय

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में सेना के प्रयासों की भी सराहना की। राज्य सरकार सेना के ऐसे प्रयासों में पूर्ण सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वेलनेस सेंटर " निरामया" में शिरोधारा, पंचक्रम, हाइड्रो थैरेपी और ओजोन थैरेपी उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम में आयुष, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार,संगठन पदाधिकारी श्री महेंद्र सिंह, श्री रविंद्र यति सहित अन्य जनप्रतिनिधि और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना उपस्थित थे।
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रगति, राष्ट्रीय सुरक्षा और सैनिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं: लेफ्टिनेंट जनरल श्री प्रीतपाल सिंह
- 21वीं कोर हेड क्वार्टर के लेफ्टिनेंट जनरल श्री प्रीतपाल सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव अनेक क्षेत्रों में प्रगति के लिए कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उनकी प्रतिबद्धता दिखाई देती है। सैनिक कल्याण और पूर्व सैनिकों के हित में प्रदेश में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल में अनेक सड़कों के निर्माण की स्वीकृति भी दी है जिसमें सेना के कार्यालयों और रहवास क्षेत्र को भी लाभ मिल रहा है, जो कार्य अनेक वर्ष से लंबित थे वे पूर्ण हो रहे हैं। लालघाटी क्षेत्र से सड़क द्वारा अन्य इलाके जुड़े हैं। मैराथन हो या लाइट एंड साउंड शो प्रारंभ करने के प्रयास हों, मुख्यमंत्री डॉ. यादव के रुझान से यह गतिविधियां हो रही हैं। श्री प्रीतपाल सिंह ने कहा कि प्रगति से सेना सशक्त होगी। राष्ट्रीय सुरक्षा में सेना, पुलिस और नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

शॉट न्यूज

नेताजी को अब सैल्यूट करेंगे पुलिस जवान

भोपाल। मध्य प्रदेश में पुलिसकर्मियों को सांसदों और विधायकों को सैल्यूट करने का फरमान जारी किया गया है। यह आदेश डीजीपी कैलाश मकवाना की ओर से जारी किया गया है। डीजीपी की ओर से सभी पुलिस इकाइयों को निर्देश जारी करते हुए लिखा गया है कि 'संसद सदस्यों एवं विधायकों के शासकीय कार्यक्रम/सामान्य भेंट के दौरान उनका अभिवादन वर्दीधारी अधिकारी/कर्मचारी सेल्यूट के माध्यम से करें। डीजीपी ने आगे लिखा है कि संसद सदस्यों और विधायकों द्वारा प्रेषित पत्रों का उत्तर अपने हस्ताक्षर से समय सीमा में प्रेषित करें और जब कभी कोई माननीय संसद सदस्य या विधायक किसी अधिकारी से उनके कार्यालय में मिलने आये तो उनसे सर्वोच्च प्राथमिकता से मिले और मिलने के प्रयोजन का विधिसम्मत निराकरण करें।

आसमान से गिरी रहस्यमयी चीज मकान ध्वस्त, मचा हड़कंप

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले की पिछोर तहसील में चौंकाने वाली घटना हुई। ठाकुर बाबा कॉलोनी में अचानक आसमान से भारी धातु गिरने से हड़कंप मच गया। यह घटना मनोज सगर के मकान पर हुई, जहां गिरने से मकान के दो कमरे और एक बाइक व कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद लोगों की भीड़ जुट गई। कालोनी के मनोज सगर ने कहा, 'हम खाना खा रहे थे। तभी फ्लाइट ऊपर से गुजरा और तेज आवाज आई। लगा कि कोई बड़ी घटना तो नहीं हुई है। सभी घबरा गए। घर ध्वस्त हो गया। गाड़ी को भी नुकसान पहुंचा है।' घटना के वक्त मकान में चार लोग मौजूद थे, लेकिन गनीमत रही कि सभी लोग सुरक्षित हैं। सूचना मिलते ही मौके पर तहसीलदार एसडीएम और एसडीओपी पुलिस टीम के साथ पहुंचे और हालात का जायजा लिया।

स्टेशन पर पेट्रोल टैंकर में लगी भीषण आग

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर के भिटोनी रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार की रात उस समय हड़कंप मच गया जब स्टेशन पर खड़े पेट्रोल से भरे दो रेलवे टैंकरों में भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि कई किलोमीटर दूर से उसकी लपटें देखी जा सकती थीं। हादसे की खबर मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई, लोग अपने घर छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर भागने लगे। प्रशासन ने जिले में अलर्ट घोषित कर दिया और रेलवे ने तत्काल सभी ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोक दिया सूत्रों के अनुसार, बीपीसीएल (BPCL) के शाहपुरा-भिटोनी पेट्रोलियम डिपो से पेट्रोल और डीजल भरकर निकले टैंकर रेलवे ट्रैक पर खड़े थे, तभी अचानक उनमें आग लग गई। देखते ही देखते आग ने दो रेक को अपनी चपेट में ले लिया। ज्वलनशील पदार्थों की मौजूदगी के चलते विस्फोट की आशंका को देखते हुए आसपास के इलाकों को खाली कराया गया।

हिंदू युवतियों को टारगेट करने की साजिश

मंत्री विश्वास सारंग बोले- दोषियों को मिलेगी सख्त सजा

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हिंदू लड़कियों के जबरन धर्मांतरण का मामला सामने आया है। संवेदनशील मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने तत्परता से कार्रवाई शुरू कर दी है। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा है कि उनकी सरकार लव जिहाद के किसी भी मामले को हल्के में नहीं लेगी।आरोप है कि धर्म विशेष के कुछ युवकों ने अपनी बातों के जाल में फंसा कर कुछ हिंदू लड़कियों को धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया। इतना ही नहीं इन पीड़ितों के जरिए और लड़कियों को फंसाने का काम किया। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा, 'सरकार के संज्ञान में इस मामले के आते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की है। अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया गया है जो इस पूरे मामले की गहराई से जांच करेगी। यह एक बहुत ही गंभीर मामला है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ऐसा लगता है कि यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा है और इसमें कई लोग शामिल हो सकते हैं।' उन्होंने कहा कि इस मामले को ध्यान में रखते हुए एसआईटी का गठन किया गया है, जो हर पहलू से जांच करेगी। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कितना भी बड़ा व्यक्ति क्यों न हो। लव जिहाद जैसा मामला मध्य प्रदेश में बर्दाशत नहीं किया जाएगा। मंत्री सारंग ने आगे कहा, 'जिन बेटियों के साथ यह अमानवीय कृत्य हुआ है, उनकी पहचान को गोपनीय रखा जाएगा और पूरी संवेदनशीलता के साथ जांच आगे बढ़ाई जाएगी। राज्य सरकार इस प्रकार की घटनाओं को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी और 'लव जिहाद' जैसे मामलों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसआईटी को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जांच निष्पक्ष और गहन होनी चाहिए, यदि इस मामले से जुड़े और लोग सामने आते हैं तो उन्हें भी गिरफ्तार कर सख्त सजा दिलाई जाएगी।' इस मामले में डीसीपी (जोन 2) संजय अग्रवाल ने पूरे केस के बारे में बताया। उन्होंने कहा, पीड़िताओं की रिपोर्ट में संबंधित थानों में मामला दर्ज किया गया है।

स्वयं की गिरफ्तारी देने के लिए थाने पहुंचे भाजपा विधायक

मऊगंज। मध्य प्रदेश में भाजपा के विधायक प्रदीप पटेल अचानक मऊगंज जिले के नईगढ़ी थाना पहुंच गए और उन्होंने खुद को गिरफ्तार किए जाने की मांग कर सभी को चौंका दिया। विधायक पटेल का यह कदम पुलिस के एक अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाने के बाद सामने आया है। विधायक ने आरोप लगाया है कि नईगढ़ी थाने के प्रभारी जगदीश ठाकुर ने उन्हें गिरफ्तार करने की धमकी दी है। इसी के विरोध में वे थाने पहुंचे और अपनी गिरफ्तारी की जिद पर अड़ गए। दरअसल, प्रदीप पटेल ने थाने में एक आवेदन सौंपा, जिसमें उन्होंने लिखा, 'मुझे सूचना मिली है कि आप मुझे गिरफ्तार करने की योजना बना रहे हैं। कृपया बताएं कि मुझ पर कौन-कौन से आरोप लगाए जा रहे हैं और किन धाराओं में कार्रवाई हो रही है।' आवेदन देने के बाद विधायक थाने के अंदर एक कुर्सी पर बैठ गए और उनके समर्थक भी वहां मौजूद रहे। उनका कहना था कि जब तक उन्हें पूरी जानकारी नहीं दी जाती और मामला स्पष्ट नहीं होता, वे थाने से नहीं जाएंगे।विधायक पटेल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'हाल ही में एक पत्रकार को पूछताछ के लिए मऊगंज समाहरणालय लाया गया था। उस समय पुलिसकर्मियों ने मुझसे कहा था कि अगली बारी मेरी है। इसी आशय को गंभीरता से लेते हुए मैंने थाने में आकर खुद को पुलिस के हवाले करने का निर्णय लिया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने अपना आवेदन दे दिया है। उम्मीद है कि उस पत्रकार की तरह मुझे भी जबरन बाहर नहीं निकाला जाएगा। मैं तब तक यहीं बैठा रहूंगा, जब तक इस पूरे मामले की सच्चाई सामने नहीं आ जाती।' इस घटना पर मऊगंज के पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'विधायक द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है

हाई वोल्टेज ड्रामा!

CM ने उद्योगपतियों से की बात

IT सेक्टर में एमपी बनाएगा विशेष पहचान

संवाददाता ● भोपाल

सेक्टर आधारित कॉन्क्लेव की रफ्तार मध्य प्रदेश में जोर पकड़ रही है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान और भविष्य की तकनीक का आधार आईटी है। प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार करते हुए समय के साथ चलने के लिए आईटी सेक्टर में निवेश और गतिविधियों का विस्तार आवश्यक है। इसी उद्देश्य से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद पहली सेक्टर आधारित कॉन्क्लेव आईटी पर केन्द्रित की जा रही है। प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में आईटी इंडस्ट्री का पर्याप्त आधार विद्यमान है। राज्य सरकार आवश्यक सहयोग और समर्थन उपलब्ध कराकर प्रदेश की आईटी इंडस्ट्री को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर तक व्यापक स्वरूप देने की इच्छुक है। इंदौर में 27 अप्रैल को होने वाली 'टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' इस दिशा में निश्चित ही परिणाम मूलक रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ। यादव इंदौर में होने वाली आईटी कॉन्क्लेव के संबंध में विभिन्न जिलों के उद्योगपतियों से समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वर्चुअली संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ। यादव से संवाद में उद्योगपतियों ने आईटी पार्क के विस्तार की आवश्यकता बताई। साथ ही आईटी के क्षेत्र में कार्य कर रहे उद्योगपतियों ने दक्ष मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा और औद्योगिक गतिविधियों में समन्वय, स्टार्ट-अप में उद्यमिता की संस्कृति को विकसित करने, प्राकृतिक गैस पर टैक्स कम करने और प्रदेश में स्टार्ट-अप कम्युनिटी के मध्य बेहतर समन्वय संबंधी चर्चा भी की।

मुख्यमंत्री डॉ। यादव से संवाद में वॉक-टू-वर्क सुविधा के साथ आईटी पार्क विकसित करने, प्रदेश में डिजिटल इकोनॉमी मिशन लागू करने और एआई आधारित गतिविधियों की अन्य उद्योगों में स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में कार्य करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल और इंदौर के उद्योगपतियों ने लिया भाग मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि यह संवाद राज्य शासन और आईटी के क्षेत्र में कार्य कर रहे उद्योगपतियों के बीच मजबूत रिश्तों का आधार बनेगा और सबके सहयोग से मध्यप्रदेश आईटी सेक्टर में अपनी विशेष पहचान स्थापित करेगा।मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल और इंदौर में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न उद्योगपतियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के युवाओं की आत्मनिर्भरता और रोजगार के लिए राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में कार्य कर रही है. उद्योगों में निवेश प्रोत्साहन के लिए आगामी 27 अप्रैल को इंदौर में आईटी इंडस्ट्री-कॉन्क्लेव और 3 मई को एग्रीकल्चर कॉन्क्लेव मंदसौर में आयोजित की जा रही है।

भोपाल में 'अजमेर रेप कांड 2'!

आरोपियों ने छात्राओं के साथ किया गंदा काम, दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जिसे 'अजमेर रेप कांड 2' का नाम दिया जा रहा है। इस मामले में एक विशेष समुदाय के गिरोह ने प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ने वाली कुछ छात्रों को अपना शिकार बनाया। जाने क्या था पूरा मामला। 1992 में हुआ 'अजमेर रेप कांड' आज भी लोगों के रोंगटे खड़े कर देता है। अब ऐसा ही एक जघन्य अपराध राजधानी भोपाल में सामने आया है। दरअसल एक निजी कॉलेज के पूर्व छात्रों ने उसी कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं को अपना शिकार बनाया है। गौर फरमाने वाली बात है कि सभी आरोपी विशेष समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। मामला 2017 से शुरू हुआ जब गिरोह में से एक आरोपी ने एक छात्रा से दोस्ती की, प्रेम जाल में फंसाया, दुष्कर्म किया और फिर उसका वीडियो भी शूट किया।

मामला

दरिंदों ने पीड़िता की सहेलियों का भी किया दैहिक शोषण

उसी वीडियो को बहुप्रसारित करने की धमकी देकर दरिंदों ने पीड़िता की सहेलियों को भी अपना शिकार बनाया।पीड़िता के माध्यम से उसकी सहेलियों को बुलवाया, दुष्कर्म किया फिर उनका वीडियो बनाकर दूसरों को फंसाया। हैरानी कि बात है कि यह गिरोह 2017 से सक्रिय है लेलिन 8 साल बीत जाने पर भी उन्हें पकड़ने वाला कोई नहीं। मामले में जब डीसीपी ज़ोन 2 संजय अग्रवाल से बात की गई तो उन्होनें बताया कि 2017 से सक्रिय इस गिरोह ने 8 से 10 पीड़िताओं के साथ घिनौने कृत्य को अंजाम दिया, जिसमें से अब 4 पीड़िताओं ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई है। पीड़िताओं ने बताया है कि आरोपियों ने धर्म परिवर्तन करने पर भी ज़ोर दिया था और मना करने पर उनके साथ मार पीट की गई। फ़िलहाल एसआईटी गठित की गई है और दो आरोपियों की गिरफ़्तारी हो चुकी है। दरअसल आरोपी और फरियादी दोनों एक ही कॉलेज में पढ़ते थे, वहां से उनके संबंध बने। कुछ समय सब ठीक रहा था जिसके बाद आरोपी ने पीड़िता को परेशान करना शुरू किया था। फरियादी जब इंदौर गई थी, तब वहां भी उसके साथ ज़बरदस्ती की गई थी, भोपाल वापस आई थी तब भी परेशान किया जा रहा था। बच्ची ने हाल ही में अपने परिजनों को पूरे मामले से अवगत करवाया था जिसके बाद उसके परिजनों ने नज़दीकी थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज करवाई। जानकारी के अनुसार 4 में से एक पीड़िता दुष्कर्म की घटना के दौरान नाबालिग थी। इतना ही नहीं युवतियों से धर्मांतरण करने की भी ज़बरदस्ती की गई थी। युवतियों द्वारा मना करने पर उनके साथ मारपीट भी की गई।

कटनी के बहोरीबंद ब्लॉक में पानी के लिए कड़ा संघर्ष

चट्टानों से टपकती जिंदगी, पानी की बूंदों पर टिका खुसरा गांव का वजूद

संवाददाता ● कटनी

पानी के बिना जीवन की कल्पना भी मुश्किल है, लेकिन सोचिए, अगर हर दिन की शुरुआत ही एक-एक बूंद पानी के लिए संघर्ष से हो, तो जिंदगी कैसी होगी? मध्य प्रदेश के कटनी जिले का एक गांव आज भी इसी दर्द को जी रहा है। चट्टानों से टपकती हर बूंद, हर सांस की कीमत चुकानी पड़ती है। यहां के लोग पीढ़ियों से खाई में उतर कर, मौत से जंग लड़ते हुए पानी इकट्ठा कर रहे हैं और हालात इतने खराब हैं कि लोग यहां अपनी बेटियों का ब्याह भी करने से कतराते हैं। कटनी जिले से महज 65 किलोमीटर दूर, बहोरीबंद ब्लॉक के रीठी जनपद में बसा खुसरा गांव, जहां सदियों से पानी की तलाश में जिंदगी थम सी गई है। गांव के बीच एक खाई है, जहां चट्टानों से टपकती बूंदों को सहेज कर ग्रामीण अपनी प्यास बुझाते हैं। हर सुबह गांव की महिलाएं और बच्चे जान हथेली पर लेकर उस खतरनाक खाई तक जाते हैं। सिर पर भारी बर्तन, पैरों में कांटे और आंखों में केवल एक ही उम्मीद- कुछ बूंदें पानी की।

हालात

सुबह चार बजे से लाइन में खड़े रहना पड़ता है

गांव की युवती आरती बताती हैं, "सुबह चार बजे से पानी लेने के लिए लाइन में खड़ी हूं, अब जाकर नंबर आया है। दस साल से पानी भर रही हूं, लेकिन कुछ नहीं बदला। इसी वजह से पढ़ाई भी छूट गई।" एक और बुजुर्ग ग्रामीण बताते हैं कि पानी की किल्लत है। खेती नहीं होती, बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। जैसे-तैसे जीते हैं। एक-दो घंटे लाइन में लगो, तब कहीं पानी मिलता है।

50 वर्ष में भी कुछ नहीं बदला इस गांव में

बुजुर्ग महिला बताती हैं कि जब मैं 50 वर्ष पहले इस गांव में ब्याह कर आई थी, तब भी यही हाल था और आज भी कुछ नहीं बदला। बच्चे बड़े हो गए, लेकिन ये पानी की परेशानी वैसी की वैसी है। पानी की यह त्रासदी अब खुसरा गांव की पहचान बन चुकी है। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि बचपन से ही उन्होंने अपनों को खाई से पानी लाते देखा है। युवाओं के सपने इस प्यास में दम तोड़ चुके हैं। कई नौजवान अब तक अविवाहित हैं, क्योंकि कोई पिता अपनी बेटी को ऐसे गांव में नहीं देना चाहता, जहां पानी भी नसीब नहीं है। बुजुर्ग ग्रामीण गणेश सिंह ने कहा, "नेता लोग चुनाव के टाइम आते हैं, वादा करते हैं, लेकिन काम कोई नहीं करता। पानी के बिना कुछ नहीं है, न खेती, न शादी। लड़की वाले कहते हैं कि पानी नहीं है तो बेटी नहीं देंगे।" गर्मी के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते हैं। पानी की तलाश में ग्रामीणों को जंगल से होकर गुजरना पड़ता है, जहां जंगली जानवर जैसे बाघ और चीते भी पानी पीने आते हैं। कई बार महिलाएं जानवरों को देख पहाड़ पर चढ़कर जान बचाती हैं और फिर वही संघर्ष शुरु होता है।

भूमि पेडनेकर संग इमरान खान करेंगे बॉलीवुड कमबैक?

बॉलीवुड एक्टर इमरान खान को लेकर चर्चा है कि वो करीब 10 साल बाद फिल्मों में कमबैक करने जा रहे हैं। इमरान खान के कमबैक को लेकर खबर है कि वो वो भूमि पेडनेकर के साथ अपना बॉलीवुड कमबैक करने जा रहे हैं। अब बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने खुद इस बात का जवाब दिया है। भूमि ने सीधेतौर पर कुछ नहीं कहा है। उन्होंने कहा कि मैं तब तक उस बारे में बात नहीं जब तक उसका आधिकारिक ऐलान ना हो जाए। भूमि पेडनेकर जल्द ही नेटफ्लिक्स के शो द रॉयल्स में नजर आएंगी। शो के ट्रेलर लॉन्च पर भूमि पेडनेकर ने इमरान खान के कमबैक को लेकर जवाब दिया। जवाब में उन्होंने कहा, 'जब तक आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं हो जाता, मैं किसी भी चीज के बारे में नहीं बोलती।' भूमि के इस जवाब से सोशल मीडिया यूजर्स कंफ्यूजन में हैं। क्यों हो रही इमरान के कमबैक की चर्चा दरअसल, फिल्म जर्नलिस्ट राहुल राउत ने अपने एक्स हैंडल पर एक क्लैपबर्ड की तस्वीर शेयर की थी। इस क्लैपबोर्ड पर इमरान खान का नाम नजर आ रहा है। तस्वीर शेयर कर राहुल ने लिखा था- एक दशक के बाद फिल्मों में वापसी करते हुए इमरान ने मुंबई में कमबैक फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है...। पोस्ट में दावा किया गया कि यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म होगी जिसमें भूमि पेडनेकर भी दिखेंगी।

दिशा पाटनी ने मिनी ड्रेस में लूटा करार

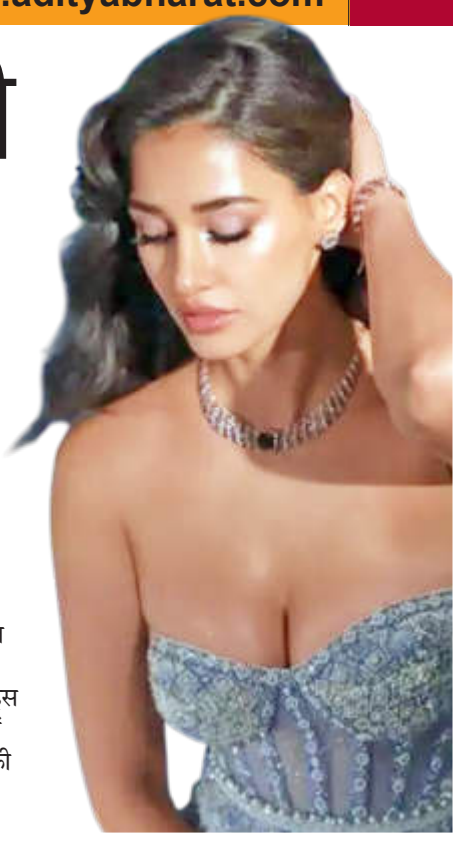

बॉलीवुड हसीनाएं अक्सर अपने ग्लैमरस अवतार से फैंस को हैरान कर देती हैं। दिशा पाटनी से लेकर अवनीत कौर तक के फोटोशूट सोशल मीडिया पर आते ही छा जाते हैं। दिशा पाटनी, अवनीत कौर और मौनी राय ने हाल ही में अपनी खूबसूरत तस्वीरों से फैंस को रूबरू कराया है। इनमें तीनों एक्ट्रेसेस का जबरदस्त अवतार देखने को मिला है। दिशा पाटनी ने शॉर्ट शिमरी ड्रेस में अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। उनकी डीपनेक ड्रेस से फैंस का नजरें हटाना मुश्किल हो गया है। खुले बालों और डार्क रेड लिपस्टिक के साथ दिशा बला की हसीन दिख रही थीं। इस लुक में एक्ट्रेस ने जमकर पोज दिए। दिशा कभी सोफे पर लेटी दिखीं तो कभी बैठकर पोज देती नजर आईं। दिशा पाटनी की बेस्ट फ्रेंड मौनी रॉय भी किसी से कम नहीं हैं। एक्ट्रेस ने समुंदर किनारे से अपनी फोटोज शेयर की हैं। पिंक कलर का क्रॉप टॉप और चिकनकारी स्कर्ट पहने मौनी काफी खूबसूरत लग रही थीं। इस दौरान उन्होंने खूब फोटोज खिंचवाईं। अवनीत कौर भी किसी से पीछे नहीं रहीं। ब्लैक कलर की शॉर्ट ड्रेस में वे कमाल दिख रही थीं। बॉलीवुड में इन दिनों दिशा पाटनी और मौनी रॉय की दोस्ती लगातार चर्चा में बनी हुई है।

कॉलेज में चलाना है अपना जादू, तो सुहाना ड्रेसेज से लें इंस्पिरेशन...

इस रिपोर्ट से हम आपके लिए सुहाना खान के वॉर्डरोब से आउटफिट लेकर आए हैं। जिनसे इंस्पिरेशन लेकर आप कॉलेज की जान बन सकती हैं। बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान अपनी एक्टिंग से ज्यादा ग्लैमरस लुक और फिटनेस को लेकर चर्चा में रहती हैं। हर कोई उनके फैश को काफी पसंद भी करता है। तो अगर आप कॉलेज के लिए कुछ स्टाइलिश आउटफिट सर्च कर रही हैं। तो सुहाना के ये लुक बेस्ट ऑप्शन होंगे। बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान अपनी एक्टिंग से ज्यादा ग्लैमरस लुक और फिटनेस को लेकर चर्चा में रहती हैं। हर कोई उनके फैश को काफी पसंद भी करता है। तो अगर आप कॉलेज के लिए कुछ स्टाइलिश आउटफिट सर्च कर रही हैं। तो सुहाना के ये लुक बेस्ट ऑप्शन होंगे। गर्मियों में आप सुहाना खान की तरह ये स्लीवलेस टॉप और शॉर्ट्स भी कैरी कर सकती हैं। ये भी आपको काफी गॉर्जियस लुक देगा। अगर आपको ऑफ शोल्डर टॉप पसंद हैं तो सुहाना की तरह प्रिंटेड टॉप को जींस या शॉर्ट्स के साथ स्टाइल कर सकती हैं। सुहाना की ये बॉडीकोन ड्रेस से भी आप इंस्पिरेशन ले सकते हैं। जिसे पहनकर अगर आप कॉलेज जाएंगी तो कोई भी आपसे अपनी नजरें नहीं हटा पाएगा। आजकर पेंटसूट भी काफी ट्रेंड में हैं। अगर आप कुछ हटके ट्राई करना चाहती हैं तो सुहाना का ये ब्लू कलर का सेट भी एक अच्छा ऑप्शन है। सुहाना खान का ये ब्लेजर और शॉर्ट स्कर्ट वाला लुक भी कॉलेज गोइंग गर्ल्स के लिए एक अच्छा आइडिया है। आप चाहे तो इस स्कर्ट को एक क्रॉप टॉप के साथ भी कैरी कर सकती हैं। क कलर हर किसी का फेवरेट होता है। तो आप कॉलेज में स्टाइलिश दिखने के लिए सुहाना की इस वन शोल्डर ड्रेस से भी इंस्पिरेशन ले सकती हैं।

प्रियंका की सिटाडेल को लगा झटका!

सिटाडेल को ग्लोबल फ्रेंचाइजी के तौर पर बनाया गया था। इसके पहले सीजन में प्रियंका चोपड़ा के काम को पसंद किया गया। इन दिनों ओटीटी लवर्स इसके दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे हैं। अब अपडेट सामने आया है कि सिटाडेल का दूसरा सीजन इसके यूनिवर्स का आखिरी पार्ट होगा। इसके बाद रुसो ब्रदर्स इसके किसी अपकमिंग सीजन को लेकर नहीं आएंगे। इसका मतलब है कि कहानी को दूसरे पार्ट में ही खत्म कर दिया जाएगा। ऐसे में सिटाडेल का दूसरा पार्ट और ज्यादा रोचक होने वाला है। वरुण धवन और समांथा रुथ प्रभु की सिटाडेल: हनी बनी के पहले सीजन को पसंद किया गया, लेकिन मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन को बनाने से पहले ही मना कर दिया था। मिड डे की रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन की कोई योजना ही नहीं बनाई थी। ऐसे में इसका दूसरा सीजन कैंसिल नहीं किया गया है, क्योंकि वह कभी आने वाला ही नहीं था। इसके बाद अब अपडेट सामने आया है कि प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडन स्टारर मेन अमेरिकी सीरीज सिटाडेल का दूसरा सीजन इस यूनिवर्स का आखिरी पार्ट होगा। इसके बाद मेकर्स कहानी को आगे नहीं बढ़ाएंगे, क्योंकि इस यूनिवर्स को इस पार्ट के साथ खत्म कर दिया जाएगा। अमेजन ने हाल ही में अपने आधिकारिक बयान में बताया कि सिटाडेल: हनी बनी (भारत) और सिटाडेल डायना (इटली), जो इस सीरीज के स्पिन-ऑफ थे, अब आगे नहीं बनाए जाएंगे। इतना ही नहीं, इस बात की भी पुष्टि की गई है कि मेन अमेरिकी सीरीज सिटाडेल का दूसरा सीजन साल 2026 में आएगा। रुसो ब्रदर्स ने सिटाडेल को ग्लोबल फ्रेंचाइजी के तौर पर बनाया था। इसे लेकर यह प्लान था कि पहले अमेरिका वाला सीजन आएगा, फिर भारत, इटली और मैक्सिको के वर्जन रिलीज होंगे। वहीं, सिटाडेल के दूसरे सीजन को उन सभी के बीच या आखिर में लाने का विचार शुरुआत से था। खैर, अब इसका मैक्सिकन वर्जन पहले ही कैंसिल हो चुका है। स्पेन और जापान वर्जन के भी अटकने की संभावना जताई जा रही है।

शाहरुख की हिट फिल्म चलते-चलते से बाहर हो गई थीं ऐश्वर्या

डायरेक्टर बोले- बस एक दिन का शूट...

वर्ष 2003 में शाहरुख खान और रानी मुखर्जी की बॉक्स ऑफिस हिट फिल्म चलते-चलते रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रानी मुखर्जी से पहले ऐश्वर्या राय को कास्ट किया गया था। फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी थी, लेकिन बाद में ऐश्वर्या राय को फिल्म से हटा दिया गया था। उनकी जगह रानी मुखर्जी को कास्ट किया गया था। अब फिल्म के डायरेक्टर ने ऐश्वर्या के हटाए जाने और रानी मुखर्जी की कास्टिंग को लेकर बात की।

फिल्म के डायरेक्टर अजीज मिर्जा से जब पूछा गया कि ऐश्वर्या राय को फिल्म से क्यों हटाया गया था तो उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता। वैसे भी, ये वो ऐरिया हैं जहां हम दुर्भाग्य से..." इसके बाद उनसे पूछा गया कि काफी शूट कर लिया गया था (ऐश्वर्या के साथ)? उन्होंने कहा, नहीं, हमने बस प्रेम नगरिया गाना शूट किया था। हमने बस एक दिन का शूट किया था। दुर्भाग्य से चीजें वैसी नहीं हुईं जैसा हम चाहते थे और फिर रानी फिल्म का हिस्सा बनीं।' ये पहली बार था जब अजीज मिर्जा ने शाहरुख खान के साथ जूही चावला को कास्ट नहीं किया था।

इससे पहले उनकी पहली तीन फिल्मों में जूही चावला और शाहरुख खान नजर आए थे। अजीज से जब पूछा गया कि उन्होंने फिल्म में जूही चावला को कास्ट क्यों नहीं किया? उन्होंने कहा, "मुझे लगा लोग कुछ अलग देखना चाहते हैं। जूही चावला किसी भी अन्य की तरह अच्छी होतीं। ऐसा नहीं है कि रानी बुरी थीं, रानी हमेशा की तरह अच्छी थीं।" बता दें, पुरानी कई खबरों में ये दावा किया जाता है कि चलते-चलते के वक्त ऐश्वर्या राय सलमान खान को डेट कर रही थीं। सलमान खान ने फिल्म के सेट पर बवाल किया था जिसके बाद ऐश्वर्या को फिल्म से हटा दिया गया था। इस घटना पर फिल्म से जुड़े लोगों का कभी कोई बयान अभी तक सामने नहीं आया है।

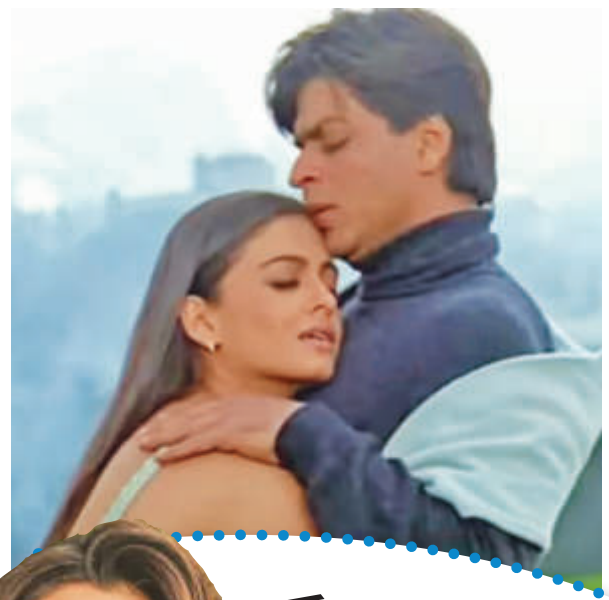

बिना इंटिमेसी कोच सीरीज में दिया बोल्ड सीन

आश्रम की पम्मी, 'शी' की भूमिका, 'लय भारी' की नंदिनी का किरदार आपके जेहन में जरूर होगा। इन किरदारों में जान फूंकने वाली मराठी मुलगी अदिति पोहनकर एक्टर बनने से पहले एथलीट रह चुकी हैं, लेकिन मां की चाहत थी बेटी को होर्डिंग में देखने की, इस चक्कर में वह एक्टर बन गईं। अपने एक दशक के करियर में अदिति पैन इंडिया स्टार बन चुकी हैं। वह ओटीटी प्लेटफॉर्म और बड़े पर्दे दोनों पर कामयाब हैं, लेकिन इस कामयाबी के पहले उन्होंने निजी जिंदगी में बहुत कुछ खोया। पैसे होते हुए भी ऐसी आर्थिक तंगी देखी कि अस्पताल का बिल भरने के लिए पैसे नहीं थे।जब कोई फैमिली टूट रही होती है, उस वक्त घर को टूटने से बचाने के लिए एक बच्चा आ जाता है। मैं अपने घर का वो बच्चा हूं। मेरे मां-बाप की हमेशा बनती-बिगड़ती रही। दोनों का रिश्ता अनोखा था। दोनों में बहुत प्यार था। इंटलेक्चुअल होने के साथ दोनों बराबरी के थे। मेरी मां ने एक बार मुझसे कहा था कि वो मेरी तस्वीर होर्डिंग में देखना चाहती हैं। होर्डिंग में देखने से उनका मतलब बस ये था कि मैं पढ़ाई में टॉप करूं और मेरी फोटो टॉपर्स लिस्ट में लगे। मुझे एक्टिंग का शौक था। मेरे कुछ दोस्तों ने बताया कि एक्टिंग सीखनी है तो मकरंद देशपांडे के पास जाना होगा। मैं पृथ्वी थिएटर पहुंची। वहां जाकर मैं बाहर से थिएटर को निहारती। मकरंद देशपांडे सर से बात करने की मेरी हिम्मत नहीं होती थी। सिर्फ उनको हाय बोलकर अपने बारे में बताने में मुझे 3 हफ्ते लग गए थे। मैं उनके पास गई तो उन्हें लगा कि मैं घर से भागकर आई हूं। मैंने उन्हें बताया कि मैं मुंबई से ही हूं। फिर मैंने उन्हें अपने काका पंडित अजय पोहनकर के बारे में बताया। मुझे लगा कि अगर मैं काका के बारे में बताऊंगी तो ये मेरा यकीन करेंगे। ऐसे में हमारी बात शुरू हुई। इस तरह मेरी ग्रूमिंग शुरू हुई। मैंने मकरंद सर के साथ दो नाटक भी किए और हाल-फिलहाल 'कत्ल' नाम से एक नाटक किया है।

प्रेग्नेंसी में कियारा को पैंपर कर रहे हैं पति सिद्धार्थ मल्होत्रा

दिया इतना महंगा तोहफा

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी का नाम बॉलीवुड के क्यूट कपल की लिस्ट में शामिल किया जाता है। दोनों अब बेहद जल्द अपने घर में नन्हे मेहमान का स्वागत करने वाले हैं। हाल ही में कियारा ने पोस्ट शेयर कर फैंस के साथ प्रेग्नेंसी की जानकारी दी। सिद्धार्थ बेहतरीन एक्टर होने के साथ ही, बेस्ट हसबैंड भी हैं। जी हां, वह प्रेग्नेंसी के दिनों में अपनी पत्नी कियारा को खुश रखने के लिए हर संभव कोशिश करते नजर आ रहे हैं। अब अपडेट सामने आया है कि उन्होंने अपनी वाइफ को एक महंगा तोहफा दिया है। सिद्धार्थ ने मॉम टू बी कियारा को लग्जरी कार तोहफे में दी है। इस कार की कीमत करोड़ों में है, जिसके बारे में जानकर आपके होश भी उड़ सकते हैं। यह गाड़ी टोयोटा वेलफायर है। इसकी कीमत के बारे में बता दें कि यह 1.12 करोड़ की है। यह महंगी कार बॉलीवुड के कई पॉपुलर सेलेब्स के पास है। इन स्टार्स की लिस्ट में अनिल कपूर, अजय देवगन, अक्षय कुमार, कृति सेनन और ऐश्वर्या राय का नाम शामिल है। बता दें कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने 7 फरवरी 2023 को शादी की थी। दोनों ने वेडिंग राजस्थान में की थी। शादी से पहले कपल लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट कर चुके हैं। शादी के दो साल बाद कपल ने 28 फरवरी 2025 को प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की। दोनों ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा तोहफा आने वाला है। सिद्धार्थ मल्होत्रा की प्रोफेशनल लाइफ के बारे में बात करें, तो वह जुलाई में रिलीज होने वाली परम सुंदरी फिल्म में जाह्नवी कपूर के साथ नजर आएंगे। इसके अलावा, सिद्धार्थ के पास दीपक मिश्रा के निर्देशन में बन रही मूवी भी है।

'एल 2 एम्पुरान' के बाद मोहनलाल की दमदार वापसी

'एल 2 एम्पुरान' की सफलता को एंजॉय कर रहे मोहनलाल ने अपने फैंस को एक और तोहफा दे दिया है। थुडारम के साथ एक्टर थिएटर्स में एक बार फिर से फैंस का दिल जीतने के लिए आ गए हैं। एल 2 एम्पुरान के शानदार कलेक्शन के साथ मोहनलाल अब दर्शकों के सामने नया किरदार पेश कर रहे हैं। फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और ओपनिंग डे की कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। छोटे बजट में तैयार होने वाली इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन से खाता खोला है। थुडारम से अभिनेता ने ममूटी की फिल्म बजूका का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और 2025 में दूसरी सबसे अच्छी ओपनिंग लेने वाली मूवी बन गई है। फिल्म ने पहले दिन 5 करोड़ का कलेक्शन किया है। हालांकि 'एल 2 एम्पुरान' के मुकाबले ये आंकड़े काफी कम हैं मगर जिस बजट में ये फिल्म तैयार हुई है उस लिहाज से इसे काफी अच्छी शुरुआत मानी जा रही है। अब देखना है वीकेंड पर थुडारम अपनी कमाई में कितना उछाल ला पाती है। निर्देशक थारुण मूर्ति की फिल्म थुडरम की तुलना मोहनलाल की सुपरहिट फिल्म दृश्यम से की जा रही है। दोनों फिल्में थ्रिलर और सस्पेंस से भरपूर हैं। थुडरम में मोहनलाल एक ऐसे किरदार में नजर आते हैं जिसे उनके फैंस खूब पसंद करते हैं। इस फिल्म की कहानी और रोमांच को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। कहानी में मोहनलाल एक स्टंट मैन का किरदार निभा रहे हैं, जो अब कैब चलाता है। एक दिन उसकी गाड़ी में ड्रग्स मिलने के बाद उसे जब्त कर लिया जाता है। इसके बाद कहानी एक रहस्यमय मोड़ लेती है और मोहनलाल का किरदार भी बदलने लगता है। फिल्म में शोभना और फरहान फासिल भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अजब संयोगः पिछले साल भी 26 अप्रैल को ही हुआ था कोलकाता-पंजाब का मुकाबला

एजेंसी ● कोलकाता

आईपीएल 2025 में आज यानी 26 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना ईडन गार्डेंस में पंजाब किंग्स से है। यह इस सीजन इन दोनों के बीच दूसरा मुकाबला होगा। इससे पहले मुल्लांपुर में पंजाब ने कोलकाता के खिलाफ सबसे छोटे स्कोर का बचाव किया था। ऐस में कोलकाता की टीम पंजाब से बदला लेने उतरेगी। हालांकि, 26 अप्रैल का यह दिन बेहद खास है। एक साल पहले इसी तारीख को कोलकाता और पंजाब के बीच ईडन गार्डेंस में मुकाबला हुआ था और तब पंजाब की टीम ने इतिहास रचा था। क्या आज के मैच में भी कुछ खास होगा, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन एक अजब संयोग इस मैच से जुड़ गया है।दरअसल, 26 अप्रैल 2024 को पंजाब और कोलकाता आमने-सामने आए थे। तब पंजाब ने आईपीएल और टी20 इतिहास का सबसे सफल चेज किया था। हालांकि, तब श्रेयस अय्यर पंजाब नहीं, बल्कि कोलकाता के कप्तान थे और उनके सामने

रच गया था इतिहास

पंजाब ने चौके-छक्कों की बौछार की थी। अब वह पंजाब के कप्तान हैं और चाहेंगे कि उनकी टीम पिछले साल वाले अपने प्रदर्शन को आज भी दोहराए। साल 2024 में जब ये दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तब पंजाब ने कोलकाता के दिए 262 रन के लक्ष्य को दो विकेट गंवाकर सफलतापूर्वक हासिल किया था। यह आईपीएल और टी20 इतिहास का सबसे बड़ा चेज था। पंजाब ने इसे 18.4 ओवर में हासिल किया था। जॉनी बेयरस्टो ने 48 गेंद में 108 रन की नाबाद पारी खेली थी, जबकि शशांक सिंह ने 28 गेंद में 68 रन बनाए थे। इसके अलावा प्रभसिमरन सिंह ने 20 गेंद में 54 रन की पारी खेली थी। कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 261 रन बनाए थे। फिल सॉल्ट ने 37 गेंद में 75 रन और सुनील नरेन ने 32 गेंद में 71 रन की पारी खेली थी। इससे पहले आईपीएल में सबसे बड़े चेज का रिकॉर्ड राजस्थान के नाम था। उसने 2020 में पंजाब के खिलाफ 224 रन का लक्ष्य हासिल किया था। वहीं, टी20 में सबसे बड़े सफल चेज का रिकॉर्ड पंजाब से पहले दक्षिण अफ्रीका क नाम था। 2023 में दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 259 रन चेज किए थे।

वहीं, इस साल जब दोनों टीमें 15 अप्रैल को आमने-सामने आईं तो पंजाब ने 111 रन पर ऑल आउट होने के बाद केकेआर की पारी को 95 रन पर समेट कर आईपीएल में सबसे छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड चेन्नई सुपर किंग्स के नाम था। सीएसके ने ऐसा 2009 में पंजाब के खिलाफ किया था। तब चेन्नई ने 116 रन बनाए थे और इसका बचाव किया था। पंजाब की टीम कोलकाता के खिलाफ पिछले दो मैच जीत चुकी है और आज इस टीम के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने उतरेगी। पंजाब और कोलकाता के बीच खेले गए पिछले आठ मुकाबलों में 15 अप्रैल को हुए मैच से पहले तक ऐसा होता रहा था कि एक मैच पंजाब की टीम जीतती थी और एक मैच कोलकाता की टीम। हालांकि, यह सिलसिला अब टूट चुका है। पंजाब ने कोलकाता के खिलाफ पिछले दोनों मैच जीते हैं। पंजाब और कोलकाता के बीच पिछले आठ मैच पंजाब ने 16 रन से जीत दर्ज की पंजाब ने 8 विकेट से जीत दर्ज की कोलकाता ने 5 विकेट से जीत दर्ज की पंजाब ने 7 रन से जीत दर्ज की (उछर) कोलकाता ने 6 विकेट से जीत दर्ज की पंजाब ने 5 विकेट से जीत दर्ज की कोलकाता ने 5 विकेट से जीत दर्ज की पंजाब ने 8 विकेट से जीत दर्ज की कोलकाता ने 2 रन से जीत दर्ज की

त्रिकोणीय सीरीज में भारत का पहला मुकाबला श्रीलंका से, युवा खिलाड़ियों पर रहेगा दारोमदार

एजेंसी ● कोलंबो

भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार से श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। पहले मैच में उसका सामना मेजबान श्रीलंका से होगा। इस सीरीज की तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका है। हरमनप्रीत कौर टीम इंडिया की कमान संभालेंगी। यह त्रिकोणीय सीरीज 27 अप्रैल को शुरू होगी और 11 मई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस सीरीज में भारतीय टीम का दारोमदार काशवी गौतम समेत युवा खिलाड़ियों पर होगा।भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के जरिए साल के आखिर में घरेलू धरती पर होने वाले महिला वनडे विश्व कप की तैयारी भी शुरू करेगी। भारत का बल्लेबाजी विभाग अच्छा नजर आता है, लेकिन उसे एक अदद गेंदबाजी संयोजन तैयार करने की जरूरत है। भारत की पूर्व अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप विजेता काशवी ने महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जाएंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 6.45 की इकॉनमी रेट से नौ मैचों में 11 विकेट लिए।

वहीं इस भीषण गर्मी के बीच सुरक्षाबलों के 40 से ज्यादा जवान लू शिकार हो गए हैं. उन्हें प्राथमिक ईलाज हेतु तेलगांना के पास के वेंकटापुरम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया रहा है. सूत्रों के जानकारी अनुसार मुठभेड़ में शामिल कई जवानों को पर्याप्त मात्रा में पानी और ग्लूकोज नहीं मिल रहा है, जिसके चलते वे हीट स्ट्रोक का शिकार हो रहे हैं. इस बीच अन्य जवान लगातार नक्सलियों के खिलाफ जंगलों में डटे हुए हैं.तितास साधु, रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर के चोटों के कारण बाहर हो जाने से भारतीय तेज गेंदबाजी अरुंधति रेड्डी पर निर्भर है, जबकि ऑलराउंडर अमनजोत कौर टीम में एकमात्र अन्य मध्यम गति की गेंदबाज हैं। प्रेमदासा स्टेडियम में धीमी गति के गेंदबाजों का हमेशा बोलबाला रहा है। ऐसे में सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा के साथ-साथ मुंबई इंडियंस के बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी के 50 में से 30 ओवर फेंकने की उम्मीद है। जरूरत पड़ने पर हरमनप्रीत भी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी कर सकती हैं।

भारतीय टीम में त्रिकोणीय सीरीज से पहले वेस्टइंडीज और आयरलैंड को तीन तीन वनडे मैच में हराया था और वह जीत का यह सिलसिला जारी रखने की कोशिश करेगी। शेफाली वर्मा को एक बार फिर से नजरअंदाज कर दिया गया है, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत, उप कप्तान स्मृति मंधाना, पावर-हिटर ऋचा घोष, जेमिमा रॉड्रिग्स और हरलीन देयोल की मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत नजर आती है। दीप्ति और अमनजोत भी अच्छी बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं।

जहां तक श्रीलंका का सवाल है तो उसकी टीम में कई बदलाव किए गए हैं और उसकी अपेक्षाकृत नई टीम भारत की मजबूत टीम का सामना करेगी। बाएं हाथ की स्पिनर इनोका राणावीरा की टीम में वापसी हुई है। श्रीलंका के पास सुगंधिका कुमारी, इनोशी प्रियदर्शनी और कविशा दिलहारी के रूप में तीन और स्पिनर होंगे जिनकी गेंदबाजी विभाग में भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

डबल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा टूर्नामेंट

यह टूर्नामेंट डबल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा। भारत अपना पहला मैच 27 अप्रैल को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। तीनों टीमें चार-चार मैच खेलेंगी और शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत की संभावित प्लेइंग-11: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), हरलीन देयोल, जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, काशवी गौतम, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, श्री चरणी/शुचि उपाध्याय।

'हमने 15-20 रन कम बनाए...', बल्लेबाजों के एक बार फिर फेल होने से गुस्साए धोनी

एजेंसी ● चैन्नई

धोनी ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि हम लगातार विकेट खोते रहे। एक और बात यह है कि पहली पारी में विकेट थोड़ा बेहतर था और 157 (154) रन उचित स्कोर नहीं था।'चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार को चेपॉक में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पांच विकेट की हार के बाद स्वीकार किया कि उनकी टीम बल्लेबाजी के लिए बेहतर हालात का फायदा उठाने में नाकाम रही और उन्होंने 15 से 20 रन कम बनाए।

सुपरकिंग्स के 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने इशान किशन (44), कामिंदु मेंडिस (नाबाद 32) और नितीश कुमार रेड्डी (नाबाद 19) की पारियों से 18.4 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन बनाकर जीत दर्ज की। मेंडिस और नितीश ने छठे विकेट के लिए 49 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले हर्षल पटेल (28 रन पर चार विकेट), कप्तान पैट कमिंस (21 रन पर दो विकेट) और जयदेव उनादकट (21 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने सुपरकिंग्स ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम 19.5 ओवर में 154 रन पर सिमट गई।सुपरकिंग्स की ओर से डेवाल्ड ब्रेविस ने 25 गेंद में चार छक्कों और एक चौके से सर्वाधिक 42 रन बनाए। युवा सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने 19 गेंद में छह चौकों से 30 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा दीपक हुड्डा (22) और रविंद्र जडेजा (21) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। धोनी ने स्वीकार किया कि उनकी टीम बल्लेबाजी के लिए बेहतर हालात का फायदा नहीं उठा पाई।धोनी ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि हम लगातार विकेट खोते रहे। एक और बात यह है कि पहली पारी में विकेट थोड़ा बेहतर था और 157 (154) रन उचित स्कोर नहीं था। गेंद बहुत अधिक टर्न नहीं कर रही थी और कुछ भी असामान्य नहीं था।

हां, दूसरी पारी में थोड़ी मदद मिली। हमारे स्पिनर, गुणवत्ता वाले थे और वे सही क्षेत्रों में गेंदबाजी कर रहे थे लेकिन हम 15-20 रन कम बना पाए।'धोनी ने उम्दा पारी खेलने वाले ब्रेविस की सराहना की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने काफी अच्छी बल्लेबाजी की और हमें मध्य क्रम में इसकी जरूरत थी। जब स्पिनर आते हैं तो आप या तो अपनी बल्लेबाजी से या सही क्षेत्रों को चुनकर रन बनाते हैं लेकिन यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम सुधार करना चाहते हैं क्योंकि मध्य ओवर महत्वपूर्ण होते हैं।'उन्होंने कहा, 'इस तरह के टूर्नामेंट में अगर एक या दो क्षेत्रों में कमियों को दूर करना है तो यह अच्छा है लेकिन जब अधिकांश खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो आपको बदलाव करने की जरूरत होती है। आप बस चलते नहीं रह सकते। हम पर्याप्त रन नहीं बना पा रहे हैं।'

लय बरकरार रखने उतरेगी मुंबई, सामने होगी लखनऊ की चुनौती; रोहित और पंत पर रहेंगी नजरें

एजेंसी ● मुंबई

मुंबई इंडियंस का रविवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स से सामना होगा। इस मैच में हार्दिक पांड्या की टीम जीत की लय बरकरार रखने और अंक तालिका में आगे निकलने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। वहीं, ऋषभ पंत की अगुआई वाली लखनऊ की निगाह जीत के अलावा अपने नेट रन रेट में सुधार करने पर भी होगी क्योंकि आगे इसकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। इन दोनों टीम के अभी तक समान 10 अंक हैं लेकिन मुंबई बेहतर नेट रन रेट के आधार पर चौथे जबकि लखनऊ की टीम छठे स्थान पर है। अब तक नौ मैचों में से इन दोनों ने पांच मैच जीते हैं और चार हारे हैं। जहां ये दोनों टीमें वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर वर्चस्व के लिए भिड़ेंगी, वहीं मुंबई की भीषण गर्मी और उमस भी खिलाड़ियों की विपरीत परिस्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की तैयारी को परखने में अपनी भूमिका निभाएगी। लखनऊ के लिए कप्तान ऋषभ पंत की खराब फॉर्म चिंता का विषय है क्योंकि उन्होंने अब तक नौ मैचों में 106 रन बनाए हैं। मुंबई के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के सामने उनकी कड़ी परीक्षा होगी। मुंबई की टीम सही समय पर अपने चरम पर पहुंची है। उसने लगातार चार मैच जीत कर खुद को प्लेऑफ में पहुंचने की दौड़ में आगे कर दिया है और उसकी टीम अपना विजय अभियान जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी। उसकी टीम यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ है और वह इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी। मुंबई के प्रमुख खिलाड़ी रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट और यहां तक कि हार्दिक पंड्या सही समय पर फॉर्म में लौट आए हैं और उनसे पार पाना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा।

रोहित की फॉर्म में वापसी

रोहित ने चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दो विस्फोटक अर्धशतकों के साथ लय हासिल कर ली है और अब वह विरोधी टीमों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए हैं। हालांकि सूर्यकुमार को लेकर कोई बड़ी चिंता नहीं थी, लेकिन आईपीएल की शुरूआत में इस शीर्ष टी20 बल्लेबाज की परिचित चमक गायब थी, लेकिन दाएं हाथ का बल्लेबाज भी तिलक वर्मा की तरह अपनी लय हासिल करने में सक्षम है।

हार्दिक ने किया प्रभावित

हार्दिक ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि तेज गेंदबाज दीपक चाहर और ट्रेंट बोल्ट ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। जहां तक लखनऊ की बल्लेबाजी का सवाल है तो वह अपने विदेशी खिलाड़ियों निकोलस पूरन (377 रन), मिशेल मार्श (344) और एडेन मार्क्रम (326) पर बहुत अधिक निर्भर है। लखनऊ को फिर से इन तीनों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

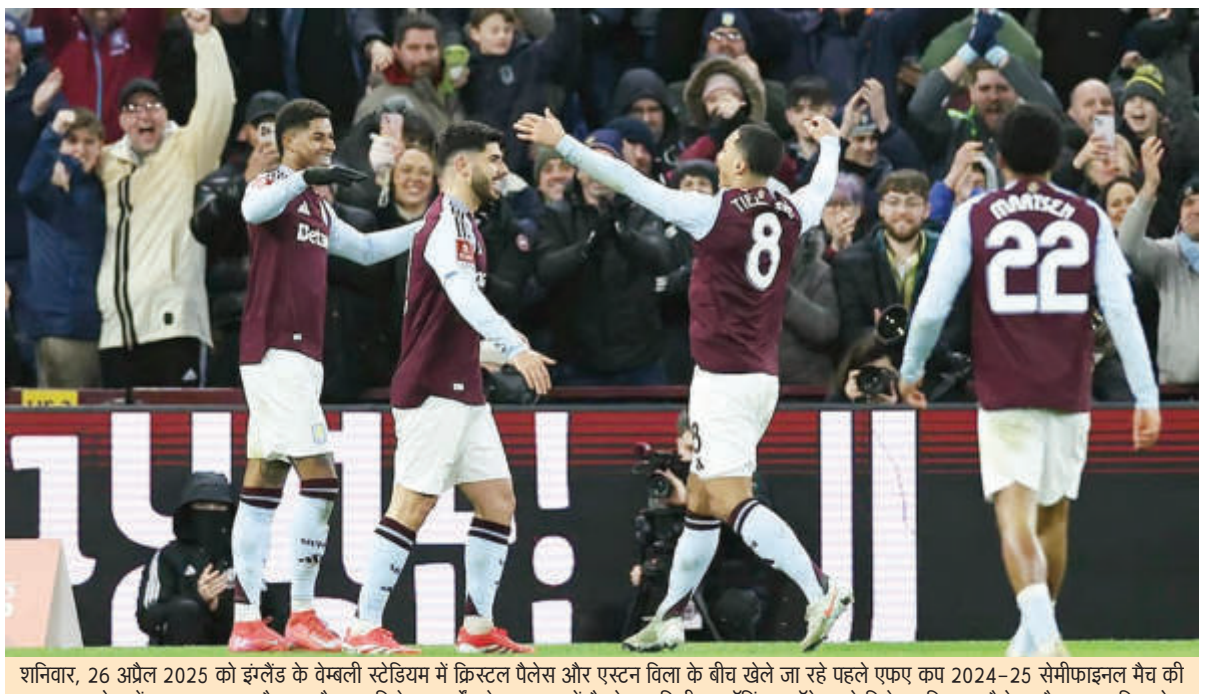

शनिवार, 26 अप्रैल 2025 को इंग्लैंड के वेम्बली स्टेडियम में क्रिस्टल पैलेस और एस्टन विला के बीच खेले जा रहे पहले एफए कप 2024-25 सेमीफाइनल मैच की लाइव कवरेज में आपका स्वागत है। इस मैच का विजेता टूर्नामेंट के फाइनल में मैनचेस्टर सिटी या नॉटिंघम फॉरेस्ट से भिड़ेगा। क्रिस्टल पैलेस और एस्टन विला के बीच पहले सेमीफाइनल मैच के लाइव फुटबॉल स्कोर और अपडेट यहाँ देखें।

चेपॉक पर 76 मैचों में तीसरी बार ऑलआउट हुई सीएसके पहली बार घर पर एक सत्र में लगातार 4 मैच हारी टीम

एजेंसी ● चैन्नई

सीएसके ने अपने होम ग्राउंड चेपॉक में दूसरी बार लगातार चार मैच गंवाए। वहीं, एक सत्र में पहली बार टीम चेपॉक में लगातार चार मैच हारी है। वहीं, सनराइजर्स ने चेपॉक में चेन्नई के खिलाफ छह मैचों में पहली जीत दर्ज की।आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स को शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही चेन्नई की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी हैं। कोई चमत्कार ही अब इस टीम को अंतिम-चार में पहुंचा सकता है। सीएसके राजस्थान रॉयल्स के बाद प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली दूसरी टीम है। यह सत्र सीएसके के लिए बेहद खराब रहा। गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी या फिर फील्डिंग, तीनों श्रेणी में सीएसके के खिलाड़ियों ने खराब प्रदर्शन किया।

नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद महेंद्र सिंह धोनी को एक बार फिर कप्तानी सौंपी गई, लेकिन इससे टीम को कोई फायदा नहीं हुआ। टीम के खराब प्रदर्शन का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि सीएसके ने अपने होम ग्राउंड चेपॉक में दूसरी बार लगातार चार मैच गंवाए। वहीं, एक सत्र में पहली बार टीम चेपॉक में लगातार चार मैच हारी है। वहीं, सनराइजर्स ने चेपॉक में चेन्नई के खिलाफ छह मैचों में पहली जीत दर्ज की।चेन्नई की टीम चेपॉक में एक सीजन में पहली बार लगातार चार मैच हारी है। वहीं, 2008 और 2010 में भी सीएसके ने चेपॉक में लगातार चार मैच हारे थे, लेकिन तब दो सीजन को मिलाकर ऐसा हुआ था।

2008 में चेन्नई ने चेपॉक में अपने आखिरी दो मैच और 2010 में चेपॉक में शुरूआती दो मैच गंवाए थे। आईपीएल 2009 2008 और 2012 की बराबरी की। 2008 में चेन्नई ने चेपॉक में सात मैचों में चार मैच हारे थे, जबकि 2012 में फाइनल समेत 10 मैचों को मिलाकर चेन्नई की टीम ने चार मैच गंवाए थे।

हैदराबाद के अलावा आईपीएल 2025 में चेन्नई को चेपॉक में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम हरा चुकी है। इस हार के साथ सीएसके की टीम अंक तालिका में 10वें स्थान पर बरकरार है। उसके नौ मैचों में दो जीत और सात हार के साथ चार अंक हैं, जबकि नेट रन रेट -1.302 है। अब चेन्नई और राजस्थान अगले लगातार पांच मैच जीतती भी है तो भी उनके अधिकतम 14 अंक हो पाएंगे। वहीं, आठ टीमें ऐसी हैं, जो 16 या इससे ज्यादा का आंकड़ा छू सकती हैं। चेन्नई की टीम टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 154 रन पर सिमट गई। अब तक चेपॉक में सीएसके ने कुल 76 मैच खेले हैं और सिर्फ तीसरी बार है जब सीएसके की टीम ऑलआउट हुई है और सनराइजर्स हैदराबाद ऐसा करने वाली दूसरी टीम है।

इससे पहले मुंबई इंडियंस ने दो बार ऐसा किया है। साल 2012 में हरभजन सिंह की कप्तानी में मुंबई ने सीएसके को 112 रन पर ऑलआउट किया था और वह मैच सीएसके आठ विकेट से हारी थी। वहीं, 2019 में रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई ने सीएसके को 109 रन पर ऑलआउट किया था। तब सीएसके की टीम 49 रन से मैच हार गई थी। अब सनराइजर्स हैदराबाद ने सीएसके को पांच विकेट से हराया। चेपॉक पर सीएसके ने अब तक 76 में से 51 मैच जीते हैं, जबकि 24 में उन्हें हार मिली है। एक मैच टाई रहा है।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, रविवार, 27 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

कोरियाई पीपुल्स रिवोल्यूशनरी आर्मी की स्थापना का 93वां वर्ष

उत्तर कोरिया के प्योंगयांग में कोरियाई पीपुल्स रिवोल्यूशनरी आर्मी की स्थापना की 93वीं वर्षगांठ मनाने के लिए छात्रों ने मार्च निकाला।

शॉट न्यूज

सिक्किम में पुलिस का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू

नई दिल्ली। उत्तर सिक्किम में भूस्खलन के बाद फंसे 57 पर्यटकों को सिक्किम पुलिस ने रेस्क्यू किया है। शुक्रवार को एक बचाव अभियान में सिक्किम पुलिस ने 57 पर्यटकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया, जो उत्तर सिक्किम हाइवे पर भूस्खलन के कारण फंसे हुए थे। यह भूस्खलन बीती रात चुंगथांग और लाचुंग के बीच हुआ। यह इलाका दुर्गम और पर्वतीय है, जहां अक्सर मौसम खराब रहता है और अस्थिर भू-भाग के कारण ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। भूस्खलन के चलते मुख्य सड़क मार्ग बंद हो गया था, जिससे पर्यटक पूरी तरह से बाहरी संपर्क से कट गए थे। जैसे ही इसकी सूचना मिली, सिक्किम पुलिस ने स्थानीय प्रशासन और आपातकालीन सेवाओं के साथ मिलकर तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

'खरीददारी करने से पहले धर्म पूछें'

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे ने कहा कि हिंदुओं को दुकानदारों से कुछ भी खरीदने से पहले उनका धर्म पूछना चाहिए। रत्नागिरी जिले के दापोली कस्बे में एक सभा को संबोधित करते हुए राणे ने कहा, 'उन्होंने (आतंकियों) हमें मारने से पहले हमारा धर्म पूछा। इसलिए अब हिंदुओं को भी कुछ भी खरीदने से पहले दुकानदार का धर्म पूछना चाहिए। राणे ने आगे कहा कि, जब भी आप खरीदारी करने जाएं, उनका धर्म पूछें। अगर वे कहते हैं कि वे हिंदू हैं, तो उन्हें हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए कहें। अगर वे हनुमान चालीसा का पाठ नहीं कर पाते हैं, तो उनसे कुछ भी न खरीदें। राणे बोले- जब औरंगजेब ने पिता को नहीं छोड़ा, ये लोग आपको कैसे छोड़ेंगे औरंगजेब का जिक्र करते हुए राणे ने कहा कि मुगल बादशाह ने अपने पिता और भाई को भी नहीं बख्शा। उन्होंने कहा, 'औरंगजेब को देखिए। उसने अपने पिता और भाई का भी सम्मान नहीं किया। अगर उसने अपने पिता और भाई का सम्मान नहीं किया, तो वे आप लोगों का कैसे सम्मान कर सकते हैं?'

कई देशों के प्रमुख भी होंगे शामिल

पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार आज, दो लाख श्रद्धालुओं जुटेंगे

एजेंसी ● वेटिकन

ईसाई कैथोलिक धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का आज अंतिम संस्कार किया जाएगा। वेटिकन के सेंट पीटर्स स्क्वायर में भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 1:30 बजे अंतिम संस्कार की रस्में शुरू होंगी। पोप के अंतिम संस्कार में करीब 2 लाख श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद है। इसमें 170 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों शामिल हैं। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के बाद पोप का लकड़ी का सादा ताबूत धीरे-धीरे रोम की सांता मारिया मैगियोरे बेसिलिका तक ले जाया जाएगा, जहां उन्हें दफनाया जाएगा। ये सेंट पीटर्स स्क्वायर से करीब 4 किमी दूर है। बीते 100 साल में वे पहले पोप होंगे जिन्हें वेटिकन के बाहर दफनाया जाएगा। पोप का 21 अप्रैल को 88 साल की उम्र में स्ट्रोक और हार्ट फैलियर से निधन हुआ था। बीते तीन दिन से उनके पार्थिव शरीर को ताबूत में अंतिम दर्शन के लिए सेंट पीटर्स बेसिलिका में रखा गया था।

उम्मीद

सेंट पीटर्स स्क्वायर में होगी पोप की फ्यूनरन सभा

पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार भारतीय समय अनुसार दोपहर करीब 1:30 बजे शुरु होगा। उनके ताबूत को सेंट पीटर्स बेसिलिका से बाहर सेंट पीटर्स स्क्वायर में लाया जाएगा, जहां अंतिम संस्कार की प्रार्थना सभा (फ्यूनरल मास) शुरु होगी। यह प्रार्थना सभा इटली के कार्डिनल जियोवानी बत्तिस्ता रे संचालित करेंगे। इसमें आधिकारिक रुप से 220 कार्डिनल, 750 बिशप और पादरी वेदी के पास भाग लेंगे। सेंट पीटर्स स्क्वायर में 4,000 से ज्यादा अन्य पादरी एक साथ प्रार्थना करेंगे।

सिंधु जल समझौता रोकने पर पाक के पूर्व विदेश मंत्री की धमकी

सिंधु में हमारा पानी बहेगा या आपका खून : भुट्टो

एजेंसी ● इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भारत के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिया है। उन्होंने कल एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सिंधु नदी में या तो हमारा पानी बहेगा, या फिर उनका खून बहेगा। सिंधु दरिया हमारा है और हमारा ही रहेगा। भुट्टो ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि आप एक झटके में सिंधु जल समझौता को तोड़ दें। हम इसे नहीं मानते हैं। हमारी अवाम इसे नहीं मानती। हजारों साल से हम इस नदी के वारिस हैं। बिलावल ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि भारत की आबादी ज्यादा है, वो यह नहीं तय कर सकते कि पानी किसका है। पाकिस्तान की अवाम बहादुर लोग हैं, हम डटकर मुकाबला करेंगे। सरहदों पर हमारी फौज हर हमले का जवाब देने को तैयार है।

भुट्टो बोले- भारत के मंसूबे कामयाब नहीं होने देंगे

बिलावल भुट्टो ने अपनी मां और देश की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो का भी नाम लिया। उन्होंने कहा कि पीपीपी और सिंध प्रांत की जनता ने नदी पर डैम और नहर बनाने के मंसूबे कामयाब नहीं होने दिए हैं। आने वाले दिनों में भी सिंधु जल संधि में एकतरफा बदलाव की कोशिशों को नाकाम किया जाएगा।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) के अध्यक्ष भुट्टो ने कहा कि भारत ने पहलगाम घटना के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया है। अपनी कमजोरियों को छिपाने और अपने लोगों को मूर्ख बनाने के लिए, मोदी ने झूठे आरोप लगाए हैं और सिंधु जल संधि को एकतरफा तरीके से रोक दिया है। भुट्टो ने कहा कि हर पाकिस्तानी सिंधु का पैगाम लेकर दुनिया को बताएगा कि हमारे दरिया पर डाका मंजूर नहीं। दुश्मन की नजरें हमारे पानी पर हैं। बिलावल ने कहा कि वे देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को इस बात का भरोसा दिलाना चाहते हैं कि अलग राजनीतिक दल होने के कारण भले ही उनकी राय अलग हो लेकिन सिंधु जल संधि के मुद्दे पर वे उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

खौफ में पाकिस्तान : सिंधु नदी पर नहर परियोजना कर दी रद्द

एजेंसी ● इस्लामाबाद

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों के बीच में तनाव बढ़ा हुआ है। भारत की तरफ से सिंधु जल संधि रद्द करने के बाद पाकिस्तान की सरकार ने इस नदी पर नहर बनाने की परियोजना को रोकने का निर्णय लिया है। इस महत्वाकांक्षी चोलिस्तान परियोजना का उद्घाटन सेना प्रमुख जनरल आसीम मुनीर और पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने पंजाब के रेगिस्तानी क्षेत्र की सिंचाई करने के लिए किया था।स्थानीय राज्य सरकार और पाक केंद्र सरकार के सहयोग से शुरू की जाने वाली इस परियोजना स्थानीय पार्टियों ने विरोध शुरू कर दिया था। मरियम सरकार का हिस्सा पीपीपी ने भी इस परियोजना का विरोध किया था, जिस पर राज्य के माहौल में तनाव की स्थिति बन गई थी। हालांकि अब भारत और पाकिस्तान के तनाव के बीच में पाक सरकार को परियोजना रोकने का मौका मिल गया, जिसके बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी के साथ मुलाकात करके नहर परियोजना को रोकने पर सहमति जताई थी। दोनों पक्षों ने इस इस बात पर भी सहमति जताई थी कि विवादास्पद नहर परियोजना तब तक निलंबित रहेगी।

एफएसएसएआई ने कैल्शियम कर्बाइड के इस्तेमाल पर लगा रखा है प्रतिबंध

केमिकल से पके हुए आम खाना खतरनाक, स्किन एलर्जी समेत अल्सर होने की संभावना

एजेंसी ● नई दिल्ली

आम को जल्दी पकाने के लिए जो रसायन इस्तेमाल होता है, वो शरीर पर काफी बुरा असर डाल सकता है। असल में बढ़ती आबादी और आम की बढ़ती दीवानगी के चलते आम उगाने और बेचने वालों को आपूर्ति करने में दिक्कत हो रही है। इसलिए अब मार्केट में ज्यादातर आम ऐसे होते हैं जो कुदरती ढंग से नहीं बल्कि रसायन डाल-डालकर पका दिए जाते हैं। इनमें से कुछ आम कैल्शियम कार्बाइड के जरिए पकाये जाते हैं, जो बहुत घातक रसायन है। यदि आप एफएसएसएआई की वेबसाइट पर जाएंगे तो वहां उन्होंने खुद कैल्शियम कार्बाइड के बैन होने की जानकारी दी हुई है। वहां वो लिखते हैं, 'कैल्शियम कार्बाइड एक रासायनिक कंपाउंड है, जिसका इस्तेमाल अक्सर फलों को पकाने के लिए किया जाता है, लेकिन भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने स्वास्थ्य जोखिमों के कारण इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है।

प्रतिबंध

"कैसे करता है काम?

कैल्शियम कार्बाइड आम को महज 2 दिनों में पका देता है। प्रतिबंध के बावजूद लोग इसका इस्तेमाल करते हैं। इस प्रक्रिया में, पहले आम की पेटियों को एक बंद जगह पर रखा जाता है। कैल्शियम कार्बाइड को कागज की पुड़ियों में डालकर उन पेटियों के भीतर रखा जाता है। कहीं कहीं आम को पेपर में लपेट कर उन्हीं पाउचों के ऊपर रख दिया जाता है। फिर 2 दिन बाद जब आप पेटियां खोलते हैं तब कैल्शियम कार्बाइड से पके आम मिलते है। दरअसल जब कैल्शियम कार्बाइड को आम के साथ बंद जगह पर रखते हैं तभी रसायन नमी रसायन से रिएक्ट करती है ।इससे एसिटिलीन गैस बनती है, जो इथाइलीन के समान कार्य करती है। इथाइलीन एक प्राकृतिक पादप हार्मोन है जो चीजों को पकाता है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)